मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष त्रयोदशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 135 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल 18 नवंबर 2025 मंगलवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
27 अधिकतम
5.6 न्यूनतम

Page-7

एनआईए को मिला धमाके से पहले का आतंकी उमर का वीडियो

हमले को ठहराया जायज, कहा यह एक शहादत अभियान है...

भीड़ भरे इलाकों में ड्रोन से बम गिराने की थी साजिश

अमित शाह की हाई-लेवल मीटिंग, एमपी सहित देशभर में छापे

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की राजधानी दिल्ली को दहलाने की फिराक में रहे आतंकी डॉक्टर उमर मोहम्मद नबी का एक नया वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में उमर अंग्रेजी में तकरीर करता हुआ दिखाई दे रहा है और आत्मघाती बमबारी को जायज ठहरा रहा है। वीडियो में उमर अकेला दिख रहा है और उसने एक कमरे में बैठकर इसे रिकॉर्ड किया है। इधर, टेरर मॉड्यूल की जांच में अब केंद्र सरकार पूरी तरह एक्शन मोड पर है। गृह मंत्रालय में एक अहम बैठक में अमित शाह ने सभी एजेंसियों को पूरी ताकत से जांच व कार्रवाई में झोंक दिया है। इसी के तहत ईडी ने आज सुबह से दिल्ली, हरियाणा के फरीदाबाद और मध्यप्रदेश में कुल 30 लोकेशंस पर एक साथ सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। यह छापेमारी सीधे तौर पर उस नेटवर्क को खंगालने के लिए है जो फरीदाबाद टेरर मॉड्यूल और कथित व्हाइटकॉलर आतंकी फंडिंग के शक के दायरे में आया है। साथ ही एनआई की जांच में एक बड़ा खुलासा यह भी हुआ है कि वाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल पहले हमास की तरह ड्रोन और रॉकेट से हमला की भी तैयारी कर रहा था।

मौत ही उसका अंतिम लक्ष्य: वहीं वीडियो में उमर मोहम्मद ने कहा कि जिसे आत्मघाती बम विस्फोट कहा जाता है, वह गलतफहमी है। यह एक शहादत अभियान है... जिसे इस्लाम में जाना जाता है। वह आगे स्वीकार करता है कि इस अवधारणा के खिलाफ कई तर्क दिए गए हैं, और इसमें विरोधाभास भी है। उमर के अनुसार, शहादत अभियान वह होता है जिसमें व्यक्ति यह मान लेता है कि उसकी मौत किसी खास जगह और समय पर होगी तो वह एक खतरनाक मानसिक अवस्था में पहुंच जाता है। वह मानने लगता है कि मौत ही उसका अंतिम लक्ष्य है। डॉ. उमर ने इस बात पर भी जोर दिया कि कोई भी व्यक्ति सटीक भविष्यवाणी नहीं कर सकता कि उसकी मौत कब और कहां होगी, और यह तभी संभव है जब यह नियति में लिखा हो। उसने अपने वीडियो संदेश में कहा कि मौत से मत डरो।

अल-फलाह यूनिवर्सिटी पर ईडी का एक्शन: ईडी की मह में यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जवाद अहमद के पुराने आवास और फरीदाबाद में अल फलाह के परिसर, ओखला में ट्रस्ट के दफ्तर सहित 30 ठिकानों पर छापेमारी चल रही है। अब तक एनआईए ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। ये कथित तौर पर आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर नबी के करीबी सहयोगी हैं।

हमास की तरह दिल्ली में करना चाहते थे ड्रोन का इस्तेमाल

इधर, हमले की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। एनआईए ने बताया कि वाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल पहले हमास की तरह ड्रोन और रॉकेट से हमला करना चाहता था। यह प्लानिंग हमास द्वारा 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर किए गए हमले की तर्ज पर बनाई गई थी। यह जानकारी आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर-उन-नबी के एक और साथी जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश की गिरफ्तारी के बाद मिली। दानिश जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के काजीगुंड का रहने वाला है। एनआईए ने उसे चार दिन पहले श्रीनगर से हिरासत में लिया था। दानिश को छोटे ड्रोन हथियार बनाने और उन्हें मॉडिफाई करने का तकनीकी अनुभव है। उसने डॉ. उमर को तकनीकी मदद दी और आतंकी हमलों को अंजाम देने के लिए ड्रोन और रॉकेट तैयार करने की कोशिश कर रहा था। एजेंसी ने बताया कि दानिश भीड़भाड़ वाले इलाके में ड्रोन से बम गिराने की योजना पर काम कर रहा था।

साकेत कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, खाली कराया

साकेत कोर्ट परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद तत्काल खाली करा लिया गया। इस सूचना के बाद हड़कंप मच गया और सुरक्षा एजेंसियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूरे इलाके को घेर लिया। भारी संख्या में पुलिस बल, बम निरोधक दस्ता और बम खोजी कुत्तों को मौके पर भेजा गया है, ताकि किसी भी संभावित खतरे का पता लगाया जा सके। वहीं दूसरी तरफ रोहिणी और पटियाला हाउस कोर्ट में भी तलाशी अभियान चल रहा है।

स्कूलों को भी मिला ई-मेल

आज सुबह दिल्ली के दो केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला। जिससे हड़कंप मच गया। हालांकि, गहन जांच के बाद यह पता चला कि धमकी झूठी थी। इसमें किसी भी प्रकार का कोई खतरा नहीं था।

पत्नी के साथ मारा गया एक करोड़ का इनामी नक्सली कमांडर हिड़मा

आंध्र बॉर्डर पर बड़ी मुठभेड़, छह माओवादी ढेर

सुकमा, एजेंसी

छत्तीसगढ़ में लगातार नक्सलियों के खात्मे के लिए राज्य पुलिस और सुरक्षा बलों के जवानों का एंटी नक्सल ऑपरेशन चल रहा है। जहां मुठभेड़ में खूंखार नक्सली हिड़मा के मारे जाने की खबर है। कहा जा रहा है कि मुठभेड़ के दौरान हिड़मा के साथ उसकी पत्नी राजे भी मारी गई है। वहीं सुकमा मुठभेड़ में एक नक्सली शंकर के भी मारे जाने की खबर है, जो डीकेएसजेडसी मेंबर है।

आंध्र प्रदेश के ग्रेहाउंड जवानों का सर्चिंग ऑपरेशन लगातार जारी है। मुठभेड़ छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश के बॉर्डर पर अल्लूरी सीतारामराजू जिले के मारेडुमिली में पुलिस-माओवादियों के बीच हुई है। जिसमें छह नक्सली ढेर हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक आंध्र प्रदेश-छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा क्षेत्रों में हाल ही में माओवादियों की गतिविधियों में बढ़ोतरी की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने अभियान तेज किया था। राज्य के डीजीपी हरीश कुमार गुप्ता स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और उन्होंने अभियान को जारी रखने के निर्देश दिए हैं। हिड़मा का जन्म 1981 को सुकमा जिले में हुआ था। पीपुल्स लिब्रेशन की गुरिल्ला बटालियन का नेतृत्व करने के बाद वो सीपीआई-माओवादी की केंद्रीय कमेटी का सदस्य बन गया था।

हसीना को सजा के बाद बांग्लादेश में हिंसा भड़की, 50 से ज्यादा घायल

पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल हमीद के घर पर हमला

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाए जाने के बाद देश में रात भर विरोध प्रदर्शन और हमले हुए। इस दौरान कम से कम पांच जिलों में कई गाड़ियों को आग लगा दी गई। फैसला सुनाए जाने के बाद ढाका के धनमंडी 32 में सबसे ज्यादा हिंसक गतिविधियां देखी गईं। इसके अलावा, प्रमुख बांग्लादेशी दैनिक ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, हिंसा में सुरक्षाकर्मियों सहित कम से कम 50 लोग घायल हुए हैं। बांग्लादेश के संस्थापक और हसीना के पिता शेख मुजीबुर रहमान का घर धनमंडी 32 में स्थित है। प्रदर्शनकारियों ने मार्च निकालते हुए कई हाईवे को ब्लॉक कर दिया है। इसके साथ ही देश के अन्य इलाकों में तैनात सुरक्षा बलों के साथ झड़पें की हैं। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठियों, साउंड ग्रेनेड और आंसू गैस का इस्तेमाल किया है। पिछले हफ्ते बांग्लादेश में 50 से ज्यादा आगजनी और देसी बम हमले हुए। इसमें कम से कम तीन लोग मारे गए। इसके अलावा, सोमवार देर रात किशोरगंज स्थित पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल हमीद के घर पर हमला किया गया और तोड़फोड़ की गई।

न्यूज विंडो

12 आयुष अस्पतालों को मोहन कैबिनेट की मंजूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश मंत्रिपरिषद की बैठक में 12 शहरों में आयुष अस्पताल शुरू करने की मंजूरी दी गई। इसके अलावा मिशन वात्सल्य के तहत राज्य सरकार अब अनाथ बच्चों को 4 हजार रुपये प्रतिमाह महीने देगी। इस राशि में 60 फीसदी हिस्सा केंद्र का रहेगा, वहीं 40 प्रतिशत हिस्सा राज्य का होगा। इसके लिए एक हजार करोड़ की लागत आएगी। सोलर पंप स्थापना योजना में संशोधन किया गया है। सात एचपी पंप के लिए 10 प्रतिशत राशि देनी होगी। सरकार 90 प्रतिशत सब्सिडी देगी। मेडिको लीगल संस्थान के अफसरों को स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अनुसार सातवां वेतनमान देने का निर्णय लिया है।

वाराणसी में कंक्रीट मिक्सर पलटा, मप्र के दो की मौत

चौबेपुर, एजेंसी। क्षेत्र में आज एक भीषण सड़क हादसा उस समय हुआ, जब संदहां के पास रिंग रोड पर बने ओवरब्रिज के समीप एक कंक्रीट मिक्सर ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराते हुए पलट गया। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि ट्रक में सवार ड्राइवर और खलासी की दबकर मौके पर ही मौत हो गयी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मिक्सर ट्रक अचानक तेज रफ्तार में लड़खड़ाया और नियंत्रण खोते ही डिवाइडर से जा टकराया, जिसके बाद वह सड़क किनारे पलट गया।

आज का कार्टून

अहमदाबाद में रूह कंपा देने वाला हादसा

एंबुलेंस में लगी आग, नवजात और डॉक्टर समेत चार की जलकर मौत

अहमदाबाद, एजेंसी

गुजरात में एंबुलेंस में आग लगने से एक नवजात समेत चार की जिंदा जलने से मौत हो गई। मरने वालों में पिता, डॉक्टर और नर्स शामिल हैं। यह हादसा उस वक्त पर हुआ जब नवजात को अरवल्ली से अहमदाबाद ले जाया रहा रहा था। मोडासा में राणा सैयद के पास एम्बुलेंस में आग लग गई। यह घटना सोमवार की देर रात हुई। एंबुलेंस में अचानक से आग लगने की घटना सीसीटीवी में कैद हुई है। एंबुलेंस में लगी आग इतनी भीषण थी कि पेट्रोल पंप पर मौजूद लोग भी कुछ नहीं कर पाए। भीषण आग से एंबुलेंस खाक हो गई। सूचना पर पहुंची दमकल ने आग तो बुझाई लेकिन सभी जिंदगियों को नहीं बचाया जा सका। मोडासा में सड़क पर जिस एंबुलेंस में आग लगी वह अहमदाबाद के ऑरेंज अस्पताल की है। अहमदाबाद के ऑरेंज अस्पताल की एम्बुलेंस में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि एंबुलेंस सड़क पर दौड़ रही है तभी अचानक एक बड़ी स्पार्किंग होती है। इसके बाद ड्राइवर एंबुलेंस को रोकता है लेकिन आग इतनी तेजी से फैलती है कि इसमें सभी सवार लोग नहीं बच पाते हैं। एंबुलेंस में सवार नवजात समेत तीन अन्य लोग जिंदा जल गए तो वहीं कुछ अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस पूरे मामले में की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार यह घटना रात 1 बजे करीब हुई। एंबुलेंस में आग उस वक्त पर लगी, जब वह एक पेट्रोल पंप के सामने से गुजर रही थी।

संन्यास की बात से पलटे प्रशांत किशोर

पटना, एजेंसी

जन सुराज पार्टी (जेएसपी) के सुप्रीमो प्रशांत किशोर बिहार विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के 25 से ज्यादा सीट जीतने पर राजनीति से संन्यास लेने की बात से पलट गए हैं। चुनाव नतीजों में जन सुराज पार्टी को 0 और जेडीयू को 85 सीट मिलने के बाद पहली बार मीडिया के सामने आए प्रशांत किशोर ने कहा कि वो जन सुराज में किसी पद पर नहीं हैं, जिससे वो इस्तीफा दे दें। पीके के नाम से मशहूर चुनावी रणनीतिकार ने कहा कि उन्होंने यह नहीं कहा था कि वो बिहार छोड़ देंगे। उन्होंने कहा कि आगे भी वो बिहार में ही रहेंगे और यहीं घूमते रहेंगे। चुनाव से पहले प्रशांत जेडीयू को 25 से कम सीट मिलने का दावा करते थे और कहते थे कि जन सुराज या तो अर्श पर रहेगी या फर्श पर रहेगी।

> कहा था नीतीश को नहीं मिलेंगी 25 से ज्यादा सीट

बाल विज्ञान प्रदर्शनी, रोबोट का अभिवादन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज यहां 32वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री का अभिवादन एक रोबोट ने किया। सीएम ने कहा बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में आए विद्यार्थियों में भावी भारत के विक्रम साराभाई, भाभा साहब, कलाम साहब जैसी प्रतिभा की झलक मिल रही है।

मेट्रो एंकर

जस्टिस सूर्यकांत बोले - सरकारें सिर्फ पैसा कमाने के लिए दे रही हैं बिक्री की अनुमति

ट्रेटा पैक में शराब... सुप्रीम कोर्ट हैरान, पूछा- यह जूस है क्या?

नई दिल्ली, एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने शराब को जूस जैसे दिखने वाले टेट्रा पैक में बेचने पर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा, यह पहली बार देखा है। जूस है क्या यह? ऐसे पैक बच्चों के लिए आसानी से उपलब्ध हो सकते है। देखने में भ्रामक होने के कारण यह पैरेंट्स की नजरों से भी छूट सकता है। इन पैकेट्स पर तो स्वास्थ्य चेतावनी तक नहीं लिखी है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि सभी सरकारें सिर्फ राजस्व कमाने के लिए इनकी बिक्री की अनुमति दे रही हैं। हालांकि, कोर्ट ने फिलहाल कोई आदेश नहीं दिया। कोर्ट ने 2 शराब ब्रांड के बीच 20 साल से अधिक समय से चल रहे कानूनी विवाद पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की।

शराब जैसी नहीं है पैकिंग : सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि टेट्रा पैक में शराब बेचने से स्कूली बच्चों को आसानी से शराब मिल सकती है और इसकी पैकिंग देखने में शराब जैसी नहीं लगती, जिसके चलते माता-पिता को भी पता नहीं चलता। सरकार कैसे इसकी इजाजत दे सकती है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में यह मामला दो शराब कंपनियों के बीच कानूनी विवाद के चलते आया। जॉन डिस्टिलरीज ने मद्रास हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने ऑलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स (ऑफिसर्स चॉइस के निर्माता) के पक्ष में फैसला दिया था और जॉन डिस्टिलरीज को 'ऑरिजनल चॉइस' ट्रेडमार्क को हटाने का आदेश दिया था।

पूर्व जज के पास भेज दिया विवाद

कोर्ट ने सभी पक्षों की सहमति से ट्रेडमार्क का यह विवाद मध्यस्थता के लिए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस एल. नागेश्वर राव के पास भेज दिया। बेंच ने कहा कि जस्टिस राव तुरंत इस मामले पर काम शुरू करें और जल्द से जल्द समझौता करवाने की कोशिश करें।

मौसम का हाल: सर्द हवाओं के आगोश में शहर

नवंबर में छूट रही कंपकंपी हर दिन बन रहा नया रिकॉर्ड

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में नवंबर में कड़ाके की सर्दी का 84 साल पुराना रेकार्ड टूट गया है। सोमवार को न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री पर पहुंचा। यह नवंबर में सर्दी का नया रेकार्ड है। मौसम विशेषज्ञों और पर्यावरणविदों के लिए मौसब में बदलाव का यह ट्रेंड शोध का विषय है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मौसम वैश्विक विषय है, इसलिए किसी एक स्थान के आधार पर इसका आंकलन संभव नहीं है। हालांकि, कहीं न कहीं जलवायु परिवर्तन से मौसम चक्र प्रभावित हो रहा है। इसका असर मौसम के हर सीजन में दिखाई भी दे रहा है। कड़ाके की सर्दी को देखते हुए राजधानी के निजी सरकारी, सीबीएसई सहित स्कूलों के समय में बदलाव किया गया। नर्सरी से लेकर कक्षा आठवीं तक के सभी स्कूल सुबह 8.30 बजे के बाद संचालित होंगे। जिला शिक्षा कार्यालय ने सोमवार को इसके निर्देश जारी किए हैं अभिभावकों ने समय में बदलाव की मांग उठाई थी। इसके आधार पर जिला शिक्षा अधिकारी नरेन्द्र अहिरवार ने ये निर्देश जारी किए हैं।

हवा का रुख पूर्वी हुआ तभी राहत

राजधानी में दस दिनों से तापमान सामान्य से कम है। शीत लहर जैसी स्थिति है। सोमवार को सर्दी ने 30 नवंबर 1941 में 6.1 डिग्री का रेकार्ड तोड़ दिया। अभी दो दिन तापमान इसी तरह रहने की संभावना है। हवा का रुख पूर्वी हुआ तो थोड़ी राहत मिल सकती है। इस समय उत्तरी शुष्क हवाएं सीधी आ रही हैं। राजस्थान में एक प्रति चक्रवात सक्रिय है। यह रेगिस्तान की ठंडी हवा को प्रदेश की ओर भेज रहा है। नमी बेहद कम है। इसके कारण ज्यादा सर्दी महसूस हो रही है।

सुबह 5 बजे ज्यादा ठंड, शाम होते ही 7 डिग्री गिर जाता पारा

पिछले छह दिनों से राजधानी सर्दी के आगोश में है। दिन में धूप से मौसम खुशनुमा होता है लेकिन शाम होते ही सर्द हवाएं चलने लगती हैं। तापमान तेजी से गिर जाता है। इस वजह पिछले पांच-छह दिनों से शाम 5.30 से रात्रि 8.30 बजे के बीच तापमान 7 डिग्री तक गिर जाता है। अल सुबह 5 बजे से 7 बजे के बीच सबसे अधिक मौसम सर्द होता है। और तापमान सबसे कम रहता है। इस बार नवंबर में ऐसा पहली बार है, जब लगातार तापमान 8 डिग्री के आसपास तापमान बना हुआ है। पिछले छह दिनों से न्यूनतम तापमान 8 डिग्री से नीचे चला गया था। मौसम विभाग ने बताया कि फिलहाल, जम्मू-कश्मीर में एक पश्चिमी विक्षोभ है, साथ ही एक ऊपरी हवा का चक्रवात है। हवा का रुख उत्तर पूर्वी, उत्तर पश्चिमी है। विंड स्पीड बहुत ज्यादा नहीं है। अभी पांच से छह दिनों तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है। राजधानी में पिछले एक सप्ताह से चल रही कड़ाके की ठंड के बीच शुक्रवार को तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान हवा दूषित हुई और शहर में तीन स्थान पर एक्यूआई 200 से अधिक दर्ज हुआ। हालांकि यह अभी भी सामान्य से 6 डिग्री कम है, लेकिन लोगों को कुछ राहत जरूर महसूस हुई है। मौसम विभाग के अनुसार बीते छह दिनों से रात का तापमान लगातार 7 से नीचे बना हुआ था, जिससे आमजन को सर्द हवाओं का तीखापन झेलना पड़ रहा था। उत्तरी और उत्तर-पश्चिमी हवाओं के चलते प्रदेश में ठंड का असर तेज रहा। लेकिन अब हवाओं का रुख धीरे-धीरे पूर्वी दिशा में बदलने लगा है, जिससे तापमान में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री की और बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे ठंड से और राहत मिलने की संभावना है।

लॉ नीना का लगातार बढ़ता प्रभाव

जानकारों का कहना है कि नवंबर में सर्दी का रेकार्ड टूटना और इतनी सर्दी होना चिंता का विषय है। इसके लिए जिम्मेदार भूमंडलीय पर्यावरणीय परिवर्तन और मानवीय छेड़छाड़ है। लगातार वन संपदा नष्ट हो रही है। पक्की इमारतें, सीमेंट क्रांक्रीट के रोड बन रहे हैं। सीमेंट गर्मियों में ज्यादा गर्म और सर्दियों में ज्यादा सर्द होता है। नकारात्मक आइओडी और लॉ नीना का प्रभाव अब लगातार दिखाई दे रहा है। मौसम में परिवर्तन का असर खेती पर भी दिख रहा है। पहले अच्छी बारिश जून में होती थी। सितंबर के बाद बारिश खत्म हो जाती थी। अब अक्टूबर तक बारिश होती है। फरवरी से ही गर्मी की शुरुआत होने लगती है। मौसम चक्र के हिसाब से फसल चक्र को बदलने की जरूरत है। इस साल नवंबर में ही तापमान 5 डिग्री या उससे कम है। जल्द ही पाला पड़ सकता है इससे खेती को नुकसान हो सकता है। इस वर्ष नवंबर में सामान्य से अधिक सर्दी पड़ रही है जो क्लाइमेट चेंज का प्रभाव है।

जेके रोड निर्माण में अफसरों की अनदेखी के कारण हजारों रहवासी हो रहे परेशान

आधी आबादी मार्ग बंद होने से उठा रही दिक्कतें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार रोड स्थित जेके रोड पर चल रहे निर्माण कार्य के दौरान अफसरों की अनदेखी एक बार फिर जनता पर भारी पड़ रही है। सर्वधर्म सी-सेक्टर और जेके टाउन स्थित मुख्य मार्ग को बिना किसी पूर्व सूचना के बंद कर दिया गया है, जिससे रहवासियों और आने-जाने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

लोगों का कहना है कि अचानक मार्ग बंद करने से ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गई है। आसपास के इलाकों में न तो कोई वैकल्पिक मार्ग बताया गया है और न ही डाइवर्सन के लिए बोर्ड लगाए गए हैं। कई वाहन चालक रोजाना गलियों में भटकते नजर आते हैं, जिससे जाम की स्थिति बन रही है। रहवासियों का कहना है कि निर्माण एजेंसी ने इस दौरान जनता की सुविधा का बिल्कुल ध्यान नहीं रखा। मार्ग बंद करने से स्कूल बसें, एबुंलेंस और ऑफिस जाने वाले लोगों को खासी दिक्कत झेलनी पड़ रही है। लोगों की मांग है कि बंद मार्ग पर स्पष्ट संकेतक और डाइवर्सन बोर्ड लगाए जाएं।

लोक निर्माण विभाग राजधानी प्रशासन इस काम को करा रही है। अचानक तिराहे और चौराहों को बिना सूचना के बंद करने से कोलार सिक्सलेन से सर्वधर्म सी-सेक्टर व जेके टाउन होते हुए आवाजाही करने वाले वाहन चालकों को दिक्कत हो रही है। उन्हें अंदरुनी गलियों से लंबा चक्कर काटकर वापस मंदाकिनी चौराहे या दानिशकुंज मार्ग से आवाजाही करनी पड़ती है। कोलार की आधी आबादी इस मार्ग से शाहपुरा, अरेरा कॉलोनी, एमपी नगर, रोहित नगर, गुलमोहर, नर्मदापुरम रोड में आवाजाही करती है। कोलार सिक्सलेन सड़क से सीधे 80 फीट मार्ग होते हुए हजारों लोग जेके ब्रिज से आवाजाही करते हैं। लेकिन इस रोड को बंद करने से पहले न तो कोई सूचना जारी की गई और न ही डाइवर्जन लागू किया गया है। अब चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। कोलार 80 फीट रोड यानी जेके रोड का निर्माण होना अच्छी बात है। लेकिन निर्माण एजेंसी और जिम्मेदार अफसरों को एक साथ काम न करके बीच के तिराहे व चौराहों पर आवाजाही के हिसाब से काम करना चाहिए था।

पं. खुशीलाल संस्थान-गठिया के मरीजों को राहत

ऑटोइम्यून बीमारी का आयुर्वेदिक समाधान, शोध में 3 दवाएं प्रभावी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सर्दियां जहां आम लोगों के लिए सेहतमंद होती हैं, वहीं रूमेटॉइड आर्थराइटिस से पीड़ति मरीजों की मुश्किलों को बढ़ा देती हैं। यह एक ऑटोइम्यून बीमारी है, जिसमें इम्यून सिस्टम जोड़ों को नुकसान पहुंचाकर तेज दर्द, सूजन और अकड़न पैदा करता है। इस गंभीर समस्या से जूझ रहे मरीजों को राहत देने के लिए एक बड़ी सफलता हाथ लगी है।

आयुष मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले केन्द्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद ने देश के चार प्रमुख आयुर्वेदिक संस्थानों के साथ मिलकर एक मल्टी-सेंटर अध्ययन किया है। इस अध्ययन का उद्देश्य रूमेटॉइड आर्थराइटिस पर आयुर्वेदिक दवाओं की असरकारकता को प्रमाणित करना था।

480 मरीजों पर स्टडी: इस दौरान पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद संस्थान के प्रिंसिपल डॉ. उमेश शुक्ला ने बताया कि इस ज्वाइंट स्टडी में दिल्ली, पुणे और बेंगलुरू के आयुर्वेदिक कॉलेज भी शामिल थे। चारों संस्थानों ने मिलकर 18 से 60 वर्ष की आयु के, जटिलता रहित 120-120 मरीजों (कुल 480) पर एक साथ अध्ययन किया।

एक साल तक मरीजों पर अध्ययन : पंडित खुशीलाल संस्थान की रोग निदान विभाग की एचओडी डॉ. रीता सिंह ने बताया कि इन मरीजों को तीन महीने के लिए भर्ती रखकर तीन विशेष आयुर्वेदिक दवाओं का सेवन कराया गया। यह अध्ययन मार्च 2024 से शुरू होकर मार्च 2025 तक चला। मरीजों के डॉक्युमेंटेशन और स्टैटिकल एनालिसिस के बाद अब सीसीआरएसएल दिल्ली जल्द ही इस अध्ययन की रिपोर्ट प्रकाशित करने जा रहा है, जिसके बाद इन दवाओं के उपयोग के लिए आधिकारिक प्रोटोकॉल भी जारी किया जाएगा।

गानों की जुगलबंदी ने बांधा समां, शाम हुई सुरमई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जब कविता और गानों की जुगलबंदी हुई, तो पूरी शाम सुरमई हो उठी। गीत और संगीत के साथ कविताओं ने ऐसा समां बांधा कि श्रोता बस उसमें डूब गए। अवसर था छतनारा समूह द्वारा गूंज कार्यक्रम के आयोजन का। कार्यक्रम में गायक वेद पांड्या और कवि निशान्त प्रस्तुति ने अपनी प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में कविता-नज्में और गाने घुले हुए थे और साथ में एक कहानी चल रही थी। कार्यक्रम की शुरुआत में निशांत ने एक प्रेम कविता सुनाते हुए सभी का इस्तकबाल किया और सर्दी की शामों के सुकूं पर कुछ शेर सुनाये। उसके बाद वेद ने 'तुमने छोड़ा शहर' गाने के साथ शुरुआत करते हुए खुद के तैयार गाने सुनाये। निशांत ने गुलजार साहब की कुछ नज्में सुनाईं, तो वेद ने प्रेम के उत्सव की बात अभय शुक्ला की एक गजल गा कर सभी को सुनायी।

जेपी अस्पताल में पहली बार फाइब्रो स्कैन मशीन से हुई लिवर की जांच

200 लोगों में से 147 में मिले फैटी लीवर के लक्षण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जेपी अस्पताल में पहली बार फाइब्रो स्कैन मशीन से लीवर की जांच की गई। यह जांच स्वस्थ यकृत मिशन के तहत चिह्नित संभावित मरीजों की की गई। इस दौरान 200 लोगों की जांच में 147 को फैटी लिवर और 28 में लिवर फाइब्रोसिस के लक्षण भी पाए गए। इन मरीजों को उपचार के साथ घर के पौष्टिक आहार के सेवन, शराब व धूम्रपान से दूरी की सलाह दी गई है। स्वास्थ्य विभाग इन सभी मरीजों का नियमित फॉलोअप करेगा ताकि बीमारी को शुरुआती स्तर पर नियंत्रित किया जा सके।

तकनीक से मिले सटीक परिणाम- फाइब्रो स्कैन मशीन में ट्रांजिएंट लीवर इलास्टोग्राफी तकनीक का उपयोग किया गया। यह नॉन-इनवेसिव जांच पद्धति है, जिससे फैटी लीवर और फाइब्रोसिस की स्थिति का सटीक आकलन किया जाता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि लीवर रोगों की पहचान और रोकथाम के लिए यह तकनीक एक बड़ा माध्यम है। लीवर में लीवर फाइब्रोसिस,हेपेटाइटिस, सिरोसिस लीवर कैंसर जैसी बीमारी हो सकती है। ट्रांजिएट इलेस्टोग्राफी स्कैन के माध्यम से लीवर फाइब्रोसिस की स्थिति की जांच एफआइबी-4 स्कोर की गणना के आधार पर प्लेटलेट काउंट, एसजीओटी (एएसटी), एसजीपीटी (एएलटी) जांच रिपोर्ट के बाद चिकित्सकीय सलाह पर की जाती है।

भोपाल को ब्रांड बनाने पर किया गया मंथन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल कैसे ब्रांड बन सकता है। भोपाल के स्टार्टअप, शहर की संभावनाएं, शहर के विकास पर गहन मंथन किया गया। यह चर्चा बेस्ट (भोपाल एक साथ टीम) नागरिक फोरम द्वारा आयोजित 'भोपाल ब्रांड स्टोरी - राइज़ अप' कार्यक्रम में हुई। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञों ने शहर की संभावनाओं, चुनौतियों और भविष्य की दिशा पर विमर्श किया। इस कार्यक्रम में मुय अतिथि के तौर पर मंत्री विश्वास सारंग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महापौर मालती राय और विधायक भगवानदास सबनानी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन दीपा सोनी, अरुण गौतम एवं मधुर सिन्हा ने किया। कार्यक्रम में भोपाल का नाम रोशन करने वाले 12 प्रतिभाशाली व्यक्तियों को 'योद्धा समान' दिया गया। आयोजक स्पर्श द्विवेदी ने कहा कि भोपाल ब्रांड स्टोरी का उद्देश्य शहर में हो रही उपलब्धियों, पहलों और नवाचारों को पहचान देना है।

40 साल पुराने सभी ब्रिज का होगा ऑडिट

केरवा डैम के सभी 8 गेट बदले जाएंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

केरवा डैम का एक हिस्सा धराशायी होने के बाद सरकार अब 40 साल पुराने सभी ब्रिज का ऑडिट करवाने जा रही है। हादसे के दूसरे दिन जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट विभागीय अधिकारियों के साथ केरवा डैम की दुर्घटनाग्रस्त साइट पर पहुंचे। घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद डैम के क्षतिग्रस्त हिस्से को तोड़कर दोबारा तैयार करवाने के निर्देश दिए गए हैं। केरवा डैम के सभी 8 गेट भी बदले जाएंगे। इसके अलावा भोपाल के केरवा, भदभदा सहित 40 साल पुराने सभी ब्रिज की सूची तैयार कर इसे तीन कैटेगरी में बांटने कहा गया है। अलग-अलग कैटेगरी के हिसाब से ब्रिज की जांच रिपोर्ट तैयार की जाएगी और जरूरी मेंटेनेंस वर्क करवाया जाएगा। घटना के बाद केरवा ब्रिज के आसपास पर्यटकों के पहुंचने पर रोक लगाई गई है। ब्रिज के क्षतिग्रस्त हिस्से से गांव के लोग आवाजाही करते थे जिन्हें फिलहाल लंबा चक्कर लगाकर आसपास के गांव से शहर पहुंचने की मशक्कत करनी पड़ रही है। उल्लेखनीय है कि सिंचाई विभाग द्वारा अनेक बार केरवा डैम की मरम्मत का एस्टीमेट तैयार करवाया गया लेकिन इसे कभी मंजूरी ही नहीं मिली।

पांच करोड़ से 5 महीने में अपग्रेडेशन : बैठक के बाद मंत्री तुलसी सिलावट ने कहा कि केरवा डैम का ये फुट ब्रिज 1975 में बनना शुरू हुआ था जो 1980 में तैयार हुआ था। केरवा बांध के बाएं तरफ बना फुट ब्रिज 50 साल पुराना है। सुधार कार्य के लिए एक हफ्ते में डीपीआर बनाकर तैयार होगी। सभी स्लैब 5 महीने में बनाकर तैयार करेंगे। इसे बनाने में लगभग 5 करोड़ रुपए खर्च आएगा। सिलावट ने बताया कि केरवा डैम पर आठ गेट लगे हैं वो 40 साल पुराने हैं हम उन्हें भी बदल रहे हैं।

मेट्रो एंकर

विश्व रंग का पूर्व रंग- युव रंग, युवा छात्रों का रचना पाठ

विश्व में ऐसी कोई धरोहर नहीं जो भारत का मुकाबला कर सके

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दुष्यन्त कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय के राज सदन में युवा रचनाकारों का रचना पाठ आयोजित किया गया। यह आयोजन 27 से 29 नवम्बर तक भोपाल में होने वाले विश्व रंग के पूर्व रंग की कड़ी था। आयोजन की अध्यक्षता डां वीणा सिन्हा ने की। मुख्य अतिथि थे बलराम गुमास्ता तथा विशिष्ट अतिथि थे मोहन सगोरिया। कार्यक्रम का संचालन माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के छात्र कार्तिकेय पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य संग्रहालय की निदेशक करुणा राजुरकर ने दिया।आभार संग्रहालय के अध्यक्ष रामराव ने व्यक्त किया। विशाखा राजुरकर ने विश्व रंग की अवधारणा पर प्रकाश डाला। इस आयोजन में रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सरोजनी नायडू कन्या महाविद्यालय, उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान और भोपाल स्कूल आफ सोशल साइंसेज और अटल बिहारी वाजपेई हिन्दी विश्वविद्यालय के लगभग 38 विद्यार्थियों ने रचना पाठ किया। आयोजन की अवधारणा दुष्यन्त संग्रहालय के अध्यक्ष रामराव वामनकर की थी। संयोजन संग्रहालय की सचिव करुणा राजुरकर और सदस्य विशाखा राजुरकर का था। विशेष सहयोग घनश्याम मैथिल अमृत, कीर्ति शर्मा, संगीता महाशब्दे, सुषमा जादौन, राधेश्याम पनवरिया एवं कमलिनी पासने का था। इस अवसर पर माखनलाल के छात्र हिमांशु तिवारी ने पढ़ा- हम अव्वल है दिल लगाने में आपकी जान जा रही है ताली बजाने में। माही खान ने पढ़ा - कौन कहता है वसंत आया है, चारों ओर प्रदूषण ही प्रदूषण, पर्यावरण संतुलन डगमगाया है। खुशी दीक्षित ने पढ़ा - पापा आप तो मुझे इतना प्यार करते थे, फिर समाज से क्यों डर गए। संयोगिता नगाइच ने पढ़ा - शह पे गुजरी मात पे गुजरी, बोली तो हर बात पे गुजरी। इस अवसर पर घनश्याम मैथिल अमृत, विनोद जैन, अशोक निर्मल, राजेंद्र गट्टानी, बिहारी लाल सोनी अनुज के साथ-साथ बड़ी संख्या में शहर के साहित्यकार भी उपस्थित थे।

कलेक्टर और निगम को एक माह में अवैध निर्माण हटाने के निर्देश

एनजीटी की कड़ी टिप्पणी- 'कानून के रक्षक कानून तोड़ने वाले न बनें'

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोज वेटलैंड के आसपास लगातार हो रहे अतिक्रमण और पर्यावरणीय उल्लंघनों पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की सेंट्रल जोन बेंच भोपाल ने कड़ा रुख अपनाया है। ट्रिब्यूनल ने नगर निगम और भोपाल कलेक्टर को एक महीने के भीतर सभी अवैध निर्माण हटाने का निर्देश दिया है। पर्यावरणविद् रशीद नूर खान द्वारा कलेक्टर और अन्य के खिलाफ दायर एक मामले की बुधवार को सुनवाई के दौरान, ट्रिब्यूनल ने चिंता व्यक्त की कि बार-बार आदेश दिए जाने के बावजूद, वेटलैंड अभी भी अतिस्त्र5मण और प्रदूषण का शिकार है।

अगली सुनवाई 17 दिसंबर को: एनजीटी ने कलेक्टर को व्यक्तिगत रूप से अतिक्रमण हटाने की निगरानी करने और ट्रिब्यूनल के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 17 दिसंबर, 2025 को निर्धारित की गई है। एनजीटी ने 7 अक्टूबर के अपने पिछले आदेश को याद दिलाया और सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए अवैध ढांचों की पहचान और उन्हें हटाने को कहा। एनजीटी ने बीएमसी को राज्य वेटलैंड अथॉरिटी और वन विभाग के सहयोग से भोज वेटलैंड का एक पारिस्थितिक अध्ययन (इकोलॉजी स्टडी) कराने का भी निर्देश दिया है। इस अध्ययन में झील की वर्तमान पारिस्थितिक स्थिति का आकलन किया जाएगा और बेसलाइन पारिस्थितिक डेटा स्थापित करने के लिए इस सर्दी में पक्षी जनगणना भी शामिल होगी। नगर निगम ने ट्रिब्यूनल को बताया कि 38 उल्लंघनकर्ताओं की पहचान कर ली गई है और उन्हें नोटिस जारी किए गए।

किसानों के भारी दबाव के बाद उज्जैन में लैंड पूलिंग निरस्त

उज्जैन/भोपाल, दोहपर मेट्रो

सीएम मोहन यादव ने सिंहस्थ के भव्य आयोजन के बीच किसानों के सम्मान में एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने किसानों की भावनाओं का आदर करते हुए लैंड पूलिंग को निरस्त कर दिया है। यह निर्णय उज्जैन में मुख्यमंत्री की किसान संघ, बीजेपी पदाधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक के बाद लिया गया। बैठक में सिंहस्थ के आयोजन को विश्वस्तरीय बनाने पर जोर दिया गया।

केंद्र से मिले निर्देशों के बाद किसान संघ का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री के बुलावे पर उज्जैन से भोपाल आया। मुख्यमंत्री के साथ सीएम हाउस में एक बैठक हुई। इस बैठक में किसान संघ, भाजपा के पदाधिकारी, उज्जैन के जनप्रतिनिधि और जिला प्रशासन के अधिकारी शामिल थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तत्काल नगरीय प्रशासन विकास विभाग और

किसानों के विरोध प्रदर्शन का फाइल फोटो

जिला प्रशासन को आदेश जारी करने के निर्देश दिए। सोमवार रात को मुख्यमंत्री ने किसान संघ के पदाधिकारियों से मुलाकात की थी।

सिंहस्थ के आयोजन को लेकर किसान संघ ने अपनी मांगें रखीं। सिंहस्थ का आयोजन दिव्य, भव्य और विश्वस्तरीय करने के लिए हर संभव प्रयास करने पर सहमति बनी। साधु-संतों और किसानों के हितों का व्यापक रूप से ध्यान रखा जाएगा। चर्चा के बाद सिंहस्थ लैंड पुलिंग को निरस्त करने का फैसला लिया गया। सीएम आवास पर हुई बैठक में सीएस अनुराग जैन, उज्जैन संभागायुक्त आशीष सिंह, कलेक्टर रोशन सिंह, बीजेपी अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, किसान संघ की ओर से महेश चौधरी, कमल सिंह आंजना, अतुल माहेश्वरी, लक्ष्मी नारायण पटेल, भरत बैस, रमेश दांगी उपस्थित थे। बीजेपी संगठन की ओर से बीजेपी नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, जिला महामंत्री कमलेश बैरवा, महामंत्री जगदीश पांचाल और आनंद खींची भी बैठक में शामिल हुए।

सरकार ने बदला फैसला, अब किसानों की जमीन नहीं जाएगी

हाईकमान ने लिया था संज्ञान

भारतीय किसान संघ की शिकायत पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने भी इस मामले में जानकारी ली थी। गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन की मौजूदगी में सिंहस्थ 2028 की तैयारियों का प्रेजेंटेशन देखा था। दरअसल, सिंहस्थ के लिए उज्जैन में 2 हजार 376 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाना था। किसान इस जमीन पर स्थायी निर्माण का विरोध कर रहे थे। भारतीय किसान संघ ने मुख्यमंत्री को एक मांग पत्र सौंपा था। निर्णय के बाद आज होने वाला प्रदर्शन स्थगित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा लैंड पुलिंग एक्ट को खत्म करने के बाद अब कम संख्या में किसान एक रैली निकालेंगे।

ढाई लाख करोड़ के कामों का एक साथ कराना है भूमिपूजन

उद्योग धंधों से रोजगार पाने वालों का सम्मेलन कराएगी सरकार: मुख्यमंत्री

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सरकार की निवेश प्रोत्साहन योजनाओं के कारण प्रदेश में ही रोजगार और स्वरोजगार प्राप्त करने वाले लोगों का राज्यस्तरीय एवं संभाग स्तरीय सम्मेलन आयोजित करें। सरकार की रोजगार प्रोत्साहन नीतियों से प्रदेश के 7.85 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। उन्होंने कहा कि दो से ढाई लाख करोड़ रुपए के कामों के एक साथ भूमिपूजन से प्रदेश का औद्योगिक परिदृश्य तेजी से बदलेगा। सीएम यादव ने ये बातें ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 में आए निवेश प्रस्तावों की समीक्षा के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि समिट में सरकार को 30.77 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इन निवेश प्रस्तावों के क्रियान्वयन के लिए निवेशकों से लगातार बात कर उनके सवालों का समाधान करें ताकि वे जल्द से जल्द अपने निवेश प्रस्ताव को अमली जामा पहनाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दिसंबर में सरकार के दो वर्ष पूरे हो रहे हैं। इसलिए नवम्बर माह के अंत तक अधिक से अधिक औद्योगिक निर्माण इकाइयों का सामूहिक भूमिपूजन कराएं। उन्होंने कहा कि दो से ढ़ाई लाख करोड़ रुपए के कामों के एक साथ भूमिपूजन से प्रदेश का औद्योगिक परिदृश्य तेजी से बदलेगा।

प्रदेश के 7.85 लाख से अधिक को मिला रोजगार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि उद्योग एवं रोजगार वर्ष के समापन पर सरकार की निवेश प्रोत्साहन योजनाओं के कारण प्रदेश में ही रोजगार और स्वरोजगार प्राप्त करने वाले लोगों का राज्य स्तरीय एवं संभाग स्तरीय सम्मेलन आयोजित करें। उन्होंने बताया कि सरकार की रोजगार प्रोत्साहन नीतियों से प्रदेश के 7.85 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 के समापन से पहले सरकार के कामों का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए। लोगों की सफलता की कहानियां समाज के सामने भी आनी चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बायो-टेक्नोलॉजी सेक्टर में बहुत स्कोप है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी दिनों में हैदराबाद में आयोजित होने वाले निवेशक संवाद सम्मेलन में बायो-टेक्नोलॉजी सेक्टर की कम्पनियों और निवेशकों को भी आमंत्रित किया जाए। मध्यप्रदेश में निवेश के लिए उनसे आग्रह किया जाएगा।

प्रोजेक्ट्स की समय-सीमा तय कर प्रायोरिटी के आधार पर काम करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय में निवेश संबंधी बैठक में फरवरी 2025 में भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के निवेश प्रस्तावों की समीक्षा के दौरान सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि निवेश से जुड़े सभी प्रोजेक्ट्स की समय-सीमा तय कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार निवेशकों को सुरक्षित, पारदर्शी और उद्योगों के अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे प्रदेश में रोजगार के अवसर बढ़ें और आर्थिक विकास को गति मिले। बैठक में यह भी चर्चा हुई कि जिन निवेश प्रस्तावों पर काम प्रारंभ हो चुका है, उनकी नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश पर्यटन (एमपीटी) अब एक ब्रांड बन चुका है। इसका लाभ प्रदेश में उद्योग -धंधों और पर्यटन के विकास पर भी लिया जाए। उन्होंने कहा कि सम्पर्ण पर्यटन क्षेत्र को उद्योग का दर्जा देने की दिशा में आगे बढ़ें, इससे पर्यटन क्षेत्र में कोई बड़ा निवेश आने पर सरकार निवेशक को उद्योग विभाग द्वारा दी जा रही सब्सिडी प्रोत्साहन योजना का भी लाभ दे सकेगी।

397 निवेश प्रस्तावों पर लेटर ऑफ इंट्रेस्ट हो चुका जारी

प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 में सरकार को मिले 30.77 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों में से वर्तमान में 8.57 लाख करोड़ रुपए से अधिक के प्रस्तावों पर काम जारी है। उद्योग विभाग को कुल 12.70 लाख करोड़ रुपए के 889 निवेश प्रस्ताव मिले थे। इनमें से 397 निवेश प्रस्तावों पर भूमि आवंटित कर लेटर आफ इंट्रेस्ट भी जारी कर दिया है। 5.13 लाख करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाले 190 निवेश प्रस्ताव ऐसे हैं, जिनमें निवेशकों ने साइट विजिट भी पूरा कर लिया है। विभाग द्वारा 302 निवेशकों से लगातार चर्चा की जा रही है। 2.48 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों पर विभाग द्वारा भूमि आवंटन एवं निवेश आवेदनों की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है। इस बड़े निवेश से प्रदेश में 2.85 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग करीब 2 लाख करोड़ रुपए की औद्योगिक इकाइयों का सामूहिक भूमिभूजन कराने में सहभागिता करेगा।

उन्होंने बताया कि ग्वालियर में टेलीकॉम मैन्युफेक्क्ररिंग जोन की स्थापना के लिए केंद्र सरकार से चर्चा की जा रही है।

इन विभागों के निवेश प्रस्तावों पर भी हुई चर्चा

बैठक में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, खनिज, नगरीय विकास एवं आवास, ऊर्जा, लोक निर्माण, पर्यटन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा, उच्च शिक्षा, विमानन और सहकारिता विभाग सहित अन्य विभागों को प्राप्त निवेश प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई।

अब तक 9.72 प्रतिशत गणना पत्रक डिजिटाइज हुए, गोवा की परफार्मेंस सबसे अच्छी

एसआईआर वर्किंग में एमपी का 12 राज्यों में छठा स्थान

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश में चुनाव आयोग की सख्ती के बाद अब तक कुल 9.72 प्रतिशत गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन किया जा चुका है। चुनाव आयोग द्वारा इसको लेकर रोज की जा रही समीक्षा के आधार पर एमपी का नम्बर देश के 12 राज्यों में कराई जा रही एसआईआर की कार्यवाही में छठे नम्बर पर है। गोवा में सबसे अच्छा परफार्मेंस सामने आया है। यहां 35 प्रतिशत से अधिक डिजिटाइजेशन हो चुका है।

चुनाव आयोग द्वारा सोमवार को दोपहर बाद तीन बजे तक की स्थिति में जारी गणना पत्रक वितरण और डिजिटाइजेशन की रिपोर्ट के अनुसार देश के राज्य 12 राज्यों में कराई जा रही एसआईआर की कार्यवाही में मध्य प्रदेश का परफॉर्मेंस छठे स्थान पर है। चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर गणना पत्र के वितरण और गणना पत्र के डिजिटाइजेशन को लेकर जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि मध्य प्रदेश में गणना पत्रक वितरण 99.63 फीसदी और डिजिटाइजेशन की कार्रवाई 9.72 फीसदी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार मध्य प्रदेश में 5 करोड़ 74 लाख 6 हजार 143 वोटर्स में से 5 करोड़ 71 लाख 94 हजार 700 वोटर्स को गणना पत्रक बांटे जा चुके हैं। इसके साथ ही 55 लाख 81 हजार 488 गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन किया जा चुका है। देश के 12 राज्यों में की जा रही एसआईआर की कार्रवाई की तुलनात्मक रिपोर्ट से पता चलता है कि मध्य प्रदेश की प्रोग्रेस छठे स्थान पर है और सबसे अच्छी स्थिति गोवा की है जहां 100त्न गणना पत्रक वितरण और 35.74 फीसदी डिजिटाइजेशन का काम हो चुका है। इसके बाद राजस्थान में 98.85 फीसदी गणना पत्रक बांटे जा चुके हैं और 27.84 फीसदी डिजिटाइजेशन किया जा चुका है। तीसरे नंबर पर लक्षद्वीप है जहां 100 फीसदी गणना पत्रक वितरण और 19.64 फीसदी डिजिटाइजेशन किया जा चुका है। पुडुचेरी चौथे स्थान पर है जहां 94.35 प्रतिशत गणना पत्रक बांटे गए हैं और 18.79 प्रतिशत डिजिटाइजेशन किया जा चुका है।

भौतिक चिकित्सक कल्याण संघ ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

भोपाल, दोहपर मेट्रो

भौतिक चिकित्सक कल्याण संघ ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एक ज्ञापन सांसद विष्णु दत्त शर्मा को सौंपा है। सांसद ने मांगों का समर्थन करते हुए उप-मुख्यमंत्री व चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेन्द्र शुक्ल से उक्त मांगों को शीघ्र लागू करने के लिए पत्र लिखकर मांग की है।

भौतिक चिकित्सक कल्याण संघ अध्यक्ष डॉ. सुनील पाण्डेय के अनुसार ज्ञापन में मांग की गई है कि उल्लेखनिय है की भारत सरकार के केंद्रीय अधिनियम NCAHP एक्ट 2021 के तहत फिजियोथेरेपिस्ट को भौतिक चिकित्सक मान्य किया है। भौतिक चिकित्सक स्वतंत्र रूप से भौतिक चिकित्सा व्यवसाय करने, डायग्नोसिस करने के लिए अधिकार प्राप्त हैं।

साथ ही स्वास्थ्य विभाग ने किया है की फिजियोथैरेपिस्ट विधि मान्य डॉक्टर है। नियम व विधि अनुसार वैध डिग्रीधारी फिजियोथैरेपिस्ट को प्रदेश में स्वतंत्र रूप से भौतिक चिकित्सा अभ्यास करने का अधिकार है।

वहीं यह जानकारी भी दी गई है कि 1 जुलाई 2025 को भारत सरकार ने निर्णय लेते हुए पेरामेडिकल शब्द पर प्रतिबंधित कर नोटिस जारी कर बताया है कि किसी भी सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं एवं किसी भी प्रोफेशनल कोर्स के लिए इस शब्द का चलन गैर कानूनी होगा।

भोपाल में उड़ान प्रशिक्षण स्कूल खुलेंगे

भोपाल। विमानन प्रशिक्षण संगठन, एटीपी फ्लाइट अकादमी सतना में जल्द ही एक अत्याधुनिक उड़ान स्कूल स्थापित करने जा रहा है। यहां लगभग 90 छात्रों की वार्षिक क्षमता के साथ उच्च-गुणवत्ता वाला पायलट प्रशिक्षण संभव होगा। परियोजना के लिए भूमि आवंटित कर दी गई है और निर्माण कार्य अगले 45 दिनों के भीतर शुरू होने वाला है। उड़ान स्कूल को 12 महीनों के भीतर पूरी तरह से चालू करने का लक्ष्य है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने मध्य प्रदेश में चार नए उड़ान प्रशिक्षण स्कूल खोलने के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए है। रीवा में एक अतिरिक्त प्रशिक्षण केंद्र, सतना में दो और भोपाल में एक स्कूल खुलेगा। विमानन प्रशिक्षण संगठन, एटीपी फ्लाइट अकादमी सतना में जल्द ही एक अत्याधुनिक उड़ान स्कूल स्थापित करने जा रहा है। यहां लगभग 90 छात्रों की वार्षिक क्षमता के साथ उच्च-गुणवत्ता वाला पायलट प्रशिक्षण संभव होगा।

स्थापना दिवस कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने दी नृत्य की प्रस्तुतियां

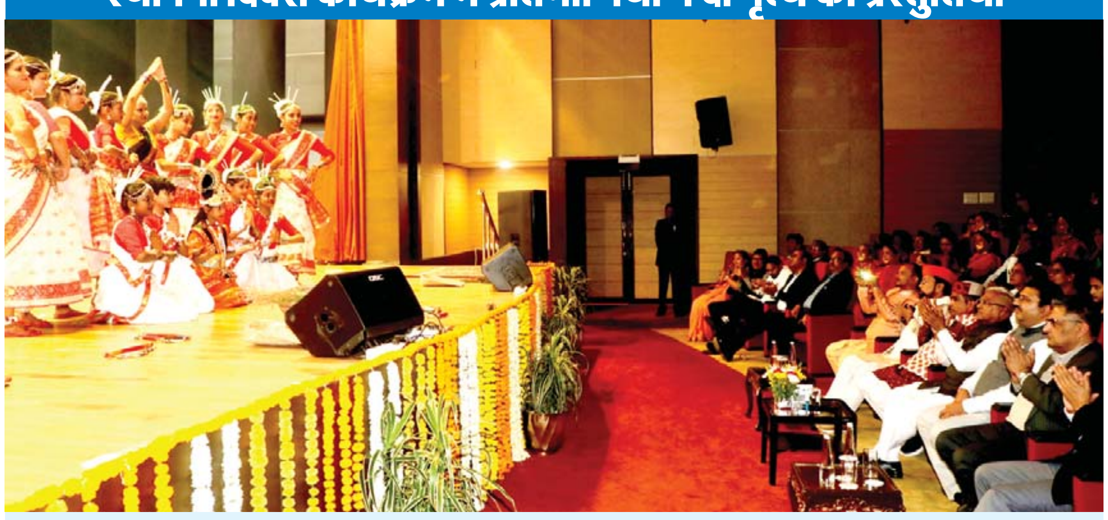

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के समक्ष राजभवन में आयोजित उत्तराखण्ड एवं झारखण्ड राज्य के स्थापना दिवस कार्यक्रम में प्रतिभागियों द्वारा सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियां दी गईं।

दिव्यांगजनों को पदोन्नति में आरक्षण देने की अनुशंसा

भोपाल, दोहपर मेट्रो

प्रदेश में दिव्यांगजनों को पदोन्नति में आरक्षण का लाभ दिलाने के लिए आयुक्त निशक्तजन डा. अजय खेमरिया ने सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) को अनुशंसा भेजी है।

मप्र दिव्यांग अधिकारी कर्मचारी कल्याण संघ की मांग पर आयुक्त ने लिखा है कि दिव्यांग अधिनियम 1995 में पदोन्नति में आरक्षण का प्रविधान है। इसे दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 में भी यथावत रखा गया है। इसके बावजूद दिव्यांग अधिकारी-कर्मचारियों को यह लाभ नहीं दिया जा रहा है। इस संबंध में कई दिव्यांग कर्मचारियों ने उच्च न्यायालय एवं सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेशों के साथ आयुक्त कार्यालय में आवेदन दिया है। उनका कहना है कि केंद्र सरकार के सभी विभागों में दिव्यांग अधिकारी-कर्मचारियों को पदोन्नति में आरक्षण का लाभ मिल रहा है। कुछ राज्य सरकारें भी दिव्यांग कर्मचारियों को यह लाभ दे रही हैं। इस संबंध में कई दिव्यांग कर्मचारियों ने उच्च न्यायालय एवं सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेशों के साथ आयुक्त कार्यालय में आवेदन दिया है। उनका कहना है कि केंद्र सरकार के सभी विभागों में दिव्यांग अधिकारी-कर्मचारियों को पदोन्नति में आरक्षण का लाभ मिल रहा है। कुछ राज्य सरकारें भी दिव्यांग कर्मचारियों को यह लाभ दे रही हैं।

मेट्रो एंकर | **रीढ़ की हड्डी में चोट के कारण लकवा ग्रस्त हो गई थी मरीज**

पीएम श्री एयर एम्बुलेंस का सहारा... ताराबाई को खंडवा से एयर लिफ्ट कर इलाज के लिए इंदौर भेजा गया

भोपाल, दोहपर मेट्रो

पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा प्रदेश में गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों को उच्च स्तरीय उपचार के लिए बड़े शहरों के अस्पतालों में भेजने हेतु वरदान सिद्ध हो रही है। इस योजना के तहत मंगलवार सुबह खंडवा जिले के पंधाना विकासखण्ड के ग्राम शाहपुरा निवासी श्रीमती ताराबाई पति बलराम उम्र 73 वर्ष को खंडवा की हवाई पट्टी से एयर एम्बुलेंस के माध्यम से इंदौर के एम वाय हॉस्पिटल में उच्च स्तरीय इलाज के लिए भिजवाया गया। मरीज के साथ उनके परिजन श्री लक्ष्मण ओसवाल भी गए। उन्होंने ताराबाई के उपचार के लिए एयर एंबुलेंस की निशुल्क सुविधा मिलने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर खंडवा महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव और श्री मुकेश तन्वे भी मौजूद थे।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि रीढ़ की हड्डी में चोट के कारण ताराबाई लकवा ग्रस्त हो गई थी, मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए आज एयर एंबुलेंस के माध्यम से इंदौर भिजवाया गया है, जिससे वहां उन्हें उच्च स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। डॉ. जुगतावत ने बताया कि एयर एम्बुलेंस से आयुष्मान कार्ड धारको को राज्य के भीतर और बाहर सूचीबद्ध अस्पतालों में इलाज के लिए भेजने हेतु निशुल्क सेवा उपलब्ध है। गैर आयुष्मान कार्ड नागरिको को राज्य के भीतर सरकारी अस्पतालों तक निशुल्क तथा राज्य के बाहर अनुमोदित दरों पर सशुल्क सेवा उपलब्ध है। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. अनिरुद्ध कौशल, अस्पताल अधीक्षक डॉ.रंजीत बड़ोले, नोडल अधिकारी एयर एंबुलेंस डॉ.दीपशिखा इवने व अधिकारी मौजूद थे।

क्षय रोग... मंजिल अभी दूर

विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक क्षय रोग रिपोर्ट 2025 भारत के लिए मिले-जुले नतीजे वाली रही। भले ही भारत में क्षय रोग (टीबी) के मामलों में वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा गिरावट आई है, फिर भी यह टीबी की उच्चतम दर वाले देशों में से एक बना हुआ है और दुनियाभर में टीबी के कुल बोझ का 25 फीसदी हिस्सा वहन करता है। भारत में टीबी के मामले 2015 में प्रति लाख जनसंख्या पर 237 से गिरकर 2024 में प्रति लाख जनसंख्या पर 187 तक पहुंच गए हैं और यह 21 फीसदी की गिरावट है। इसका मतलब यह भी है कि 2024 में भारत में टीबी के सबसे ज़्यादा मामले दर्ज किए गए। देश में, उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा मामले हैं और उसके बाद महाराष्ट्र, बिहार तथा मध्य प्रदेश का स्थान है। दिल्ली में टीबी के संक्रमण की व्यापकता दर सबसे ज़्यादा है, हालांकि इसके वास्तविक मामलों की तादाद उतनी ज्यादा नहीं है। जहां तक बहुऔषधि प्रतिरोधी टीबी (एमडीआर-टीबी) का सवाल है, परिदृश्य काफी चुनौतीपूर्ण मालूम होता है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 2024 में दवा प्रतिरोधी टीबी के मामलों की संख्या भी सबसे ज्यादा दर्ज की गई है - जो वैश्विक एमडीआर-टीबी और रिफाम्पिसिन प्रतिरोधी (आरआर-टीबी) मामलों का 32 फीसदी है। अब जबकि नए और उपचारित मामलों के लिए उपचार की सफलता दर 90 फीसदी के आसपास है तथा द्वितीय पंक्ति के उपचार पर शुरू किए गए एमडीआर-/आरआर-टीबी मामलों के लिए यह दर 77 फीसदी है, मिले-जुले नतीजों की कहानी जारी है। भारत की टीबी मृत्यु दर 2015 में प्रति एक लाख जनसंख्या पर 28 मौतों से घटकर 2024 में प्रति एक लाख जनसंख्या पर 21 मौतें हो गई है। इस सुधार के बावजूद, यह आंकड़ा अभी भी सरकार के उन्मूलन लक्ष्य से तीन गुना ज्यादा है।

भारत ने अपने लिए जो लक्ष्य निर्धारित किया था, उसे पूरा नहीं कर पाया है, क्योंकि उसने टीबी के उन्मूलन का लक्ष्य 2025 तक निर्धारित किया था, जो वैश्विक लक्ष्य 2030 से पांच साल पहले है। भले ही वृद्धिशील फायदों से कोई नाटकीय नतीजा नहीं निकला है, फिर भी इससे पिछले कुछ सालों में लाखों लोगों की जिंदगियां बचाई गई हैं। इससे, उस देश में टीबी नियंत्रण कार्यक्रम के सफल होने की उम्मीद जगी है जो दशकों से टीबी से जूझ रहा है। राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम ने भविष्य के लिए खुद को प्रगतिशील पथ पर अग्रसर तो कर लिया है, लेकिन जब तक निदान के मामले में खामी , घोर सामाजिक-आर्थिक असमानताओं और एमडीआर-/आरआर-टीबी मामलों के उच्च बोझ, दवाओं की लगातार कमी और बढ़ते कुपोषण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान उत्साहपूर्वक नहीं किया जाता, तब तक भारतीय प्रयास 'नौ दिन चले, ढाई कोस' वाले ही बने रहेंगे।

पड़ोसी देश पाक में बढ़ती दहशतगर्दी और भारत के सामने सुरक्षा चुनौती

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

दक्षिण एशिया का भू-राजनीतिक परिदृश्य एक बार फिर आतंक की चपेट में है। हाल ही में पाकिस्तान में हुए आत्मघाती हमले में 12 लोगों की मौत ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया है। यह सिर्फ एक आतंकी वारदात नहीं, बल्कि उस अस्थिरता का प्रतीक है जो पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान की धरती पर पनपी है। जिस देश ने कभी आतंक को रणनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया, वही अब उसकी आग में जल रहा है। लेकिन भारत के लिए यह चेतावनी का घंटा भी है, क्योंकि पाकिस्तान की धरती से संचालित आतंकी संगठन भारत के खिलाफ भी सक्रिय हैं। यदि इस बार इन हमलों में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों का हाथ पाया गया, तो भारत निश्चित रूप से जवाबी रुख अपनाएगा। पाकिस्तान को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चेतावनी भी समय समय पर दी कि जोकि तुम आतंकवाद के पनाहगाह बने है।एक दिन ये आतंकी संगठन तुमको ही रुलायेंगे।और पाकिस्तान में यही हो रहा है।आतंकी सरगना को एक एक कर मौत के घाट उतारने वाली घटना पूर्व में बनी है।लेकिन पाकिस्तान सुधरने वाला नही है।यह उसके जेहन में उतरता ही नही है।आतंकी फैक्टरियां पाकिस्तान में सक्रिय है।इस बार फिर से पाकिस्तान की धड़कने बढ़ गई है।उसने गुस्ताखी की होगी और आतंकी संगठनों की संलिप्तता होगी तो पाकिस्तान की हालत खराब होगी। पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान लगातार आतंकवादी हिंसा से जूझ रहा है। खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान और यहां तक कि इस्लामाबाद जैसे संवेदनशील इलाकों में भी आत्मघाती हमलों की श्रृंखला बढ़ी है। पाकिस्तान तालिबान, इस्लामिक स्टेट-खुरासान, और लश्कर-ए-झंगवी जैसे संगठनों ने कई हमलों की जिम्मेदारी ली है।

हालिया आत्मघाती हमले में 12 निर्दोष नागरिकों की मौत और दर्जनों के घायल होने से यह स्पष्ट है कि पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह नाकाम हैं। आतंकी अब सरकारी प्रतिष्ठानों, पुलिस थानों और सैन्य ठिकानों तक को निशाना बना रहे हैं। यह आतंकी लहर अब सिर्फ सीमित इलाकों में नहीं, बल्कि पूरे देश में फैल चुकी है। पाकिस्तान में आतंकवाद कोई नई समस्या नहीं है। यह उसी बीज का परिणाम है जिसे दशकों पहले रणनीतिक गहराई के नाम पर बोया गया था। 1980 के दशक में अफगान युद्ध के दौरान पाकिस्तान ने अमेरिकी सहायता से मुजाहिदीनों को पनाह दी। बाद में वही मुजाहिदीन तालिबान और अन्य आतंकी संगठनों में बदल गए। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने इन आतंकियों को भारत विरोधी नीतियों में मोहरा बनाकर इस्तेमाल किया। जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियाँ, मुंबई हमला (2008), पठानकोट, उरी, पुलवामा जैसे हमले इन्हीं नीतियों का परिणाम हैं। अब वही आतंक पाकिस्तान की सीमाओं के भीतर पलटवार कर रहा है। पाकिस्तान इस समय गहरी आर्थिक मंदी से गुजर रहा है। विदेशी कर्ज, महंगाई और बेरोजगारी ने जनता को त्रस्त कर रखा है। ऐसे हालात में आतंकवाद न केवल सुरक्षा के लिए बल्कि आर्थिक स्थिरता के लिए भी खतरा बन गया है। विदेशी निवेशक पाकिस्तान से दूर भाग रहे हैं। पर्यटन उद्योग ठप है। आतंकवादी गतिविधियों ने व्यापारिक गलियारों और परियोजनाओं, जैसे कि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा को भी अस्थिर कर दिया है। चीन भी अब पाकिस्तानी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रहा है क्योंकि उसके नागरिक भी आतंकी हमलों का शिकार हुए हैं।

भारत के लिए बढ़ता खतरा: पाकिस्तान में बढ़ती आतंकी गतिविधियाँ भारत के लिए भी चिंता का विषय हैं। भारत के सुरक्षा तंत्र को इस बात की जानकारी है कि पाकिस्तान की धरती पर सक्रिय संगठन जैसे लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हिज्बुल मुजाहिदीन, और तहरीक-ए-तालिबान – फिर से regroup करने की कोशिश में हैं।इन संगठनों के इशारे पर भारत में भी आतंकी नेटवर्क सक्रिय हो सकते हैं। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात जैसे सीमावर्ती राज्यों में इनकी घुसपैठ की कोशिशें पहले से चल रही हैं। सोशल मीडिया और क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से इन संगठनों की फंडिंग और भर्ती के नए रास्ते खुले हैं।हाल के वर्षों में एनआईए और एटीएस ने कई मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है जो पाकिस्तानी हैंडलर्स से निर्देश ले रहे थे। इसलिए पाकिस्तान में हुई आतंकी घटनाएं भारत के लिए केवल एक पड़ोसी देश की समस्या नहीं, बल्कि अपनी सुरक्षा का पूर्व संकेत हैं। भारत का अब तक का जवाब सर्जिकल और एयर स्ट्राइक नीति रहा है।अगर पाकिस्तान आतंकी के इशारों पर दिल्ली में बम ब्लास्ट हुआ होगा तो पाकिस्तान की हालत बदतर होने वाली है।भारत उसे छोड़ेगा नही। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में आतंक के खिलाफ नई नीति अपनाई है।

चीन, जो पाकिस्तान का सबसे बड़ा आर्थिक सहयोगी है, अब उसके आतंकी हालात से परेशान है। चीन के नागरिकों और सीपीईसी प्रोजेक्ट्स पर हुए हमलों से उसकी नाराज़गी साफ झलकती है।भारत को चाहिए कि वह इस वैश्विक माहौल का लाभ उठाकर आतंक के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर अपनी स्थिति और मजबूत करे। यदि भारत पाकिस्तान की आतंक प्रायोजक छवि को और उजागर करता है, तो उसे कूटनीतिक समर्थन बढ़ सकता है। भारत के लिए चुनौती यह है कि वह आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख अपनाए लेकिन साथ ही अंतरराष्ट्रीय मंच पर शांति और संयम का संदेश भी दे।इसके लिए भारत को तीन स्तर पर रणनीति बनानी होगी। यही समय की बलिहारि है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बाल शोषण जागरूकता दिवस

भविष्य की धड़कन हैं बच्चे, इनकी सुरक्षा हमारा कर्तव्य और जिम्मेदारी

दिलीप कुमार पाठक
पत्रकार

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 18 नवंबर को बाल यौन शोषण, उत्पीड़न और हिंसा की रोकथाम और उपचार को विश्व दिवस के रूप में घोषित किया है। इस दिन का उद्देश्य बाल यौन शोषण को वैश्विक स्तर पर उठाने एवं लोगों को जागरूक करने के लिए उठाया गया सकारात्मक सोच का प्रतीक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल लाखों बच्चे यौन हिंसा का अनुभव करते हैं। यह शोषण हमारे आसपास भी खूब दिखता है, बस हमें देखने की दृष्टि चाहिए। इसलिए ये संकल्प सभी सदस्य देशों, संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के निर्वाचित व्यक्तियों और अन्य साझीदारों, विश्व नेताओं, अभिनेता नागरिको समाज और अन्य संबंधित लोगों को इस विश्व दिवस पर इस तरह से शपथ लेने के लिए आमंत्रित करता है।

यह बाल यौन शोषण से प्रभावित लोगों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और बाल यौन शोषण, भेदभाव और हिंसा को रोकने और समाप्त करने की आवश्यकता एवं जवाबदेही ठहराने को मान्यता देता है। इस प्रस्ताव को अफ्रीकी देश सिएरा लियोन और नाइजीरिया ने रखा था और 110 से अधिक देशों ने इसका समर्थन किया था। इसे तालियों की गड़गड़ाहट के बीच आम सहमति से पारित किया गया। प्रस्ताव पेश करने वाली सिएरा लियोन की प्रथम महिला फातिमा माडा बायो ने बाल यौन शोषण को ए जघन्य अपराध करार दिया। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने आज बच्चों के खिलाफ हो रही हिंसा, शोषण, दुर्व्यवहार, तस्करी, यातना और हानिकारक प्रथाओं को रोकने के लिए और भी तेज़ी से काम करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि जो बच्चे पीड़ित हुए हैं या बच गए हैं, उन्हें इलाज और न्याय मिलना बहुत ज़रूरी है। बाल यौन शोषण, दुर्व्यवहार और हिंसा एक गंभीर समस्या है जो पूरी दुनिया में फैली हुई है। लाखों बच्चे इसके शिकार हो रहे हैं। हमें मिलकर इन अपराधों को रोकना होगा, बच्चों को सुरक्षित रखना होगा, और जो लोग ऐसा करते हैं उन्हें सजा दिलानी होगी - चाहे वो ऑनलाइन हो या ऑफलाइन। कोविड-19, युद्ध, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं जैसी बड़ी चुनौतियों के समय में, गरीबी बढ़ रही है, जिससे लोगों के साथ भेदभाव हो रहा है। इन सब से बच्चों की स्थिति और भी खराब हो रही है, और वे शोषण, दुर्व्यवहार और हिंसा का शिकार हो रहे हैं। जो बच्चे इन अपराधों का शिकार होते हैं, उनकी शारीरिक, मानसिक और यौन सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है, और उनकी पूरी जिंदगी प्रभावित हो सकती है। यह उनके लिए यातना जैसा ही है, हमें इन समस्याओं को रोकने के लिए और भी काम करना होगा।

यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012, बच्चों को यौन शोषण, शोषण और उत्पीड़न से बचाने के लिए एक भारतीय कानून है, लेकिन जन जाग्रति के बिना ये कानून काफी नहीं है। यूएनओ के आंकड़े बताते हैं कि दुनिया भर में, 20 वर्ष से कम आयु की लगभग 120 मिलियन बच्चियों ने विभिन्न प्रकार के जबरन यौन शोषण का अनुभव किया है। उच्च और मध्यम आय वर्ग में यौन हिंसा से पता चलता है कि लड़कियों में इसका प्रचलन 8 से 31 प्रतिशत और 18 वर्ष से कम आयु के लड़कों में 3 से 17 प्रतिशत है। 5 वर्ष से कम आयु के 4 में से 1 बच्चा ऐसी माँ के साथ रहता है जो अंतरंग साथी हिंसा की शिकार है।

अक्सर एक बच्चा दंडित होने के डर से बात नहीं कर सकता, वो शर्म और शर्मिंदगी भी महसूस कर सकता है। यही कारण है कि वयस्कों और विशेष रूप से माता-पिता के लिए इन शारीरिक और मनोवैज्ञानिक दुर्व्यवहारों के खिलाफ सजग रहना जरूरी है। जानबूझकर या अनजाने में किसी बच्चे को नुकसान पहुंचाना, जिससे उन्हें दीर्घकालिक शारीरिक चोट या मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं, इसे भी शारीरिक शोषण के रूप में चिन्हित किया गया है। भावनात्मक दुर्व्यवहार का एक गैर-शारीरिक रूप है जिसमें मनोवैज्ञानिक या मौखिक दुर्व्यवहार शामिल हो सकता है। इस प्रकार का दुर्व्यवहार एक बच्चे को अवांछित, बेकार और प्यार रहित महसूस कराता है। इसमें ऐसे शब्द और कार्य शामिल हो सकते हैं, जो बच्चों में कम आत्मविश्वास, तनाव, चिंता, अवसाद और अनुशासनहीनता के कारण भावनात्मक क्षति का कारण बनते हैं।

विभिन्न प्रकार के बाल शोषण के बारे में स्वयं को शिक्षित करना सुनिश्चित करना ज़रूरी है। अपने बच्चों से बात करने से न शर्माएं, बल्कि यह भी सुनिश्चित करें कि आप उनके पर्सनल स्पेस पर आक्रमण न करें। बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में शिक्षित करें। बच्चों से उचित और अनुचित व्यवहार के बारे में बात करें। बच्चे को बताएं कि आप उनके लिए हमेशा मौजूद हैं और प्रोडक्टिव बातचीत को प्रोत्साहित करें। यदि आप दुर्व्यवहार की कोई घटना देखते हैं, तो तुरंत इसकी रिपोर्ट करें या जांच की मांग करें, बच्चे भगवान का रूप होते हैं हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम उनकी रक्षा करें।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सुविचार

अवसर की प्रतीक्षा में मत बैठो। आज का अवसर ही सर्वोत्तम है।

-अज्ञात

निशाना

खाते की जय बोल..!

डॉ. रामकुमार चतुर्वेदी

खलती बैठक
खुलती पोल
कौन कौन खाता
पोल खोल ,
कौन कौन खाते
किस किसके खाते
संरक्षण में खाते ,
बिन संरक्षण के खाते
खातों के भी हैं खाते
कुछ के हैं बहीं खाते
कुछ विदेश में हैं खाते
कुछ तो खानों से भी खाते
खानों से भी हो जाता झोल
कोन कौन खाता
पोल खोल
खाते ही खाते हैं
खाते तू खोल,
खाते पर खाते हैं
खाते की जय बोल।

हेल्थ अपडेट

जोड़ों में जान भरने का आसान फार्मूला, पैदल चलकर गठिया से बचाव

आर्थराइटिस यानी गठिया की बीमारी तेजी से बढ़ रही है। अब सिर्फ बुजुर्ग ही नहीं बल्कि युवा भी गठिया की चपेट में आ रहे हैं। अब 25-40 साल की उम्र वाले लोग भी जॉइंट दर्द, जकड़न और सूजन की समस्या झेल रहे हैं।गठिया एक ऐसी बीमारी है जिसमें जोड़ों में सूजन, दर्द, जकड़न और चलने-फिरने में तकलीफ होने लगती है। यह बीमारी शरीर के जोड़ जैसे घुटने, कंधे, कोहनी, उंगलियां आदि को प्रभावित करती है। जब इन जोड़ो की अंदर की परत या कार्टिलेज धीरे-धीरे घिसने लगता है या उसमें सूजन आ जाती है, तो इसे गठिया कहा जाता है। एम्स नई दिल्ली के ऑर्थोपेडिक्स विभाग में प्रोफेसर डॉक्टर भावुक गर्ग ने बताया कि गठिया की समस्या क्यों बढ़ रही है, इसे कैसे कंट्रोल किया जा सकता है और सबसे जरूरी गठिया को ठीक करने के लिए रोजाना कितना चलना चाहिए।

डॉक्टर ने बताया कि लाइफस्टाइल का बदलना ही अर्थराइटिस बढ़ने की सबसे बड़ी वजह है। हड्डियों और जोड़ों की मजबूती हमारी अच्छी डाइट, रोजाना की फिजिकल एक्टिविटी और मांसपेशियों की ताकत पर निर्भर करती है। अब न तो खाना पहले जैसा पौष्टिक रहा है और न ही लोग नियमित एक्सरसाइज करते हैं। लंबे समय तक बैठकर काम करना, मोबाइल-लैपटॉप का ज्यादा उपयोग, गलत पोश्चर, धूप में न जाना और विटामिन डी की कमी, ये सब मिलकर जॉइंट्स को कमजोर कर देते हैं। इसी कारण युवा उम्र में भी अर्थराइटिस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

लंबे समय तक बैठे रहना वजह: डॉक्टर के अनुसार, लंबे समय तक एक ही जगह बैठे रहना अर्थराइटिस का बड़ा कारण है। चाहे ऑफिस का काम हो या घर का, घंटों लगातार बैठने से मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं, जॉइंट्स पर दबाव बढ़ता है और पोश्चर खराब हो जाता है। धीरे-धीरे यही आदत दर्द और जॉइंट प्रॉब्लम की शुरुआत बन जाती है। इसलिए दिनभर में थोड़ा-थोड़ा चलना, उठना-बैठना और स्ट्रेचिंग करना बेहद जरूरी है। डॉक्टर ने बताया कि 10 हजार स्टेप्स रोज चलने की सलाह एक जापानी वॉकिंग ऐप से शुरू हुआ ट्रेंड है। रिसर्च बताती है कि रोज 7 से 8 हजार स्टेप्स चलना भी सेहत के लिए उतना ही फायदेमंद होता है। बेशक 10 हजार स्टेप्स तक चलना ठीक है, लेकिन उससे ज्यादा चलने पर लाभ बढ़ता नहीं है। अगर घुटने या रीढ़ में दर्द है, तो ज्यादा चलना नुकसान भी कर सकता है, इसलिए ऐसे मामलों में डॉक्टर की सलाह जरूरी है।

न्यू गैजेट

कानफोड़ू शोर से बचाने आया नया ईयरप्लग बैलेंस आवाज के साथ सुरक्षित और प्लास्टिक फ्री

Sennheiser ने भारत में अपना नया SoundProte& Plus लॉन्च किया है। यह खास तौर पर उन लोगों के लिए बनाया गया है जो लाउड कॉन्सर्ट, फेस्टिवल, यात्रा या शोरगुल वाली जगहों पर जाते हैं। ये देखने में बिलकुल ईयरबड्स जैसे लगते हैं, लेकिन हैं नहीं। ये ईयरप्लग हैं। इनकी कीमत 3000 रुपये से भी कम है। इनका काम कानों को सुरक्षित रखना, साफ और बैलेंस आवाज सुनना है। ये ईयरप्लग मेडिकल-ग्रेड TPE से बने हैं, जो स्किन के लिए सुरक्षित, दोबारा इस्तेमाल किए जाने योग्य और प्लास्टिक-फ्री हैं। ये तीन साइज में आते हैं। यूजर अपने अनुसार इन्हें कानों में फिट कर सकते हैं।

तीन साइज में आते हैं ईयरप्लग: इसके स्पेसिफिकेशन्स की बात करें तो ये एक हियरिंग प्रोटेक्शन ईयरप्लग है। ये ईयर कैनाल में फिट होता है और रिटेंशन के साथ आता है। इसका स्मॉल साइज 5-10 mm, मीडियम 6-11 mm और लार्ज 7-12 द्बद्व के कानों के लिए हैं। स्मॉल का वजन 1.1 ग्राम, मीडियम का 1.4 ग्राम और लार्ज का 1.6 ग्राम है। फिल्टर PET, ABS, पॉलीकार्बोनेट और पॉलीयूरेथेन जैसे मटेरियल से बने हैं। यह नया प्रोडक्ट उन लोगों के लिए एक बेहतरीन ऑप्शन है, जो शोरगुल वाली जगहों पर जाते हैं और अपने कानों को नुकसान से बचाना चाहते हैं।

वेंटिलेटेड ओपन-एयर है खासियतः SoundProte & Plus की खासियत है कि इनमें एक खास वेंटिलेटेड ओपन-एयर पैसेज है, जिससे कानों में 'बंद' होने जैसा महसूस नहीं होता और लंबे समय तक सुनने में भी आराम रहता है। इन्हें आसानी से साफ किया जा सकता है। इनके साथ एक छोटा स्टोरेज पाउच भी मिलता है, जो इन्हें यात्रा, कॉन्सर्ट, पढ़ाई या आराम के लिए साथ ले जाना आसान बनाता है।

ईयरप्लग में चार फिल्टर: साउंडप्रोटेक्स प्लस के साथ अलग-अलग जरूरतों के हिसाब से चार तरह के फिल्टर आते हैं। 'हाई' फिल्टर (SNR 20 dB) लाउड कॉन्सर्ट और मोटरस्पोर्ट्स के लिए बहुत अच्छा है। मीडियम' फिल्टर (SNR 17 dB) रोजाना आने-जाने के लिए एकदम सही है। लो फिल्टर (SNR 10 dB) थोड़ी कम शोर वाली जगहों के लिए है। वहीं, फुल ब्लॉक फिल्टर पूरी तरह से शांति पाने के लिए हैं। कंपनी के मुताबिक ये उनकी पेटेंटेड मेम्ब्रेन फिल्टर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करता है। यह टेक्नोलॉजी आवाज को एक समान रूप से कम करती है, जिससे म्यूजिक की बारीकियां और बातचीत साफ सुनाई देती है। साथ ही कानों की सुरक्षा भी होती है।

अजब -गजब

मॉस्को से उत्तरी कोरिया तक दुनिया की सबसे लंबी रेल यात्रा, 8 दिनों तक चलती है ट्रेन

सोचिए... आप एक ऐसी ट्रेन में सफर कर रहे हों जो बिना रुके 8 दिनों तक चलती रहे। खिड़की के बाहर कभी बर्फ से ढके पहाड़, कभी खाली मैदान, कभी जंगल और आखिर में आप पहुंच जाए दुनिया के सबसे रहस्यमयी और खतरनाक देश उत्तर कोरिया की सीमा तक। यह कोई कहानी नहीं, बल्कि हकीकत है। मॉस्को से प्योंगयांग (उत्तर कोरिया की राजधानी) तक चलने वाली यह ट्रेन दुनिया की सबसे लंबी डायरेक्ट ट्रेन यात्रा बन चुकी है।

दुनिया की सबसे लंबी डायरेक्ट पैसेंजर ट्रेन यात्रा अब रूस की राजधानी मॉस्को से उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग तक चलती है। यह यात्रा लगभग 6,213 माइल्स यानी करीब 10,000 किलोमीटर के रास्ते को कवर करती है। इसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने दुनिया की सबसे लंबी सीधी ट्रेन यात्रा का खिताब दिया है। यह ट्रेन यात्रा न सिर्फ लंबी है, बल्कि बेहद खास और रहस्यमयी भी, क्योंकि यह रास्ता आपको पहुंचाता है दुनिया के सबसे बंद और गुप्त देश उत्तर कोरिया में। यह वही देश है जिसका शासन दुनिया के सबसे सख्त नेताओं में से एक किम जोंग-उन के हाथों में है। यहां लोगों को सिर्फ विदेशी टीवी देखने या देश की सच्चाई बताने पर भी सजा दे दी जाती है। इस यात्रा का बड़ा हिस्सा दुनिया की मशहूर ट्रांस-साइबेरियन रेलवे लाइन पर होता है। यह रेलवे लाइन रूस के मॉस्को से लेकर व्लादिवोस्तोक तक फैली है, जिसकी कुल लंबाई 5,772 माइल्स है। यह दुनिया की सबसे लंबी रेलवे लाइन मानी जाती है। यात्रियों के लिए एक खास उत्तर कोरियाई डिब्बा लगाया जाता है, जो पहले मॉस्को से ट्रांस-साइबेरियन ट्रेन के साथ चलता है. जब ट्रेन व्लादिवोस्तोक पहुंचती है, तब यह डिब्बा दूसरी ट्रेन से जोड़ दिया जाता है, जो प्योंगयांग तक जाती है। कोरोना महामारी से पहले यह सेवाएं कभी-कभी चलती थीं, लेकिन 2020 में पूरी तरह बंद हो गईं। हाल ही में रूस और उत्तर कोरिया के रिश्ते बेहतर होने लगे हैं, जिसके बाद यह ट्रेन सेवा एक बार फिर शुरू कर दी गई है।

उत्तर कोरिया की हकीकतः उत्तर कोरिया को दुनिया का सबसे नियंत्रित और सख्त देश माना जाता है. यहां-लोगों की सभी बातचीत और गतिविधियां सरकार द्वारा निगरानी में रखी जाती हैं। हजारों लोग मामूली वजहों से जेलों में डाल दिए जाते हैं। इस देश में भोजन की भी भारी कमी है, यूएन के मुताबिक यहां की 40% से ज्यादा आबादी कुपोषित है। इस तरह यह ट्रेन यात्रा जितनी लंबी है, उतनी ही रोमांचक, रहस्यमयी और कहीं-कहीं डराने वाली भी है।

इटारसी में स्मार्ट फिश पार्लर जल्द होगा शुरू, अधिकारियों को मिले कई निर्देश

अब कृषि विभाग हर सप्ताह लगाएगा जैविक हाट, किसानों को मिलेगा लाभ: कमिश्नर

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

संभागीय समय सीमा की बैठक में कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने जिले के सभी विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग सप्ताह में एक दिन जैविक हाट बाजार लगाने को सुनिश्चित करें, जहां जैविक उत्पाद, खाद और औषधियों की बिक्री हो सके। इससे किसानों और उपभोक्ताओं को सीधे लाभ मिलेगा।

कमिश्नर ने इटारसी में बने स्मार्ट फिश पार्लर का संचालन नगर पालिका से शुरू कराने को कहा ताकि मछलीपालन क्षेत्र से जुड़े लोगों को रोजगार और उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा मिल सके।उन्होंने नरवाई जलाने की घटनाओं पर चिंता जताई और किसानों को समझाइश देने के निर्देश दिए कि इस नुकसानदायक प्रथा को रोका जाए। साथ ही कामधेनु योजना में प्रगति और गौशालाओं की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मत्स्य योजना के तहत केस कल्चर के लिए शासन से बजट मांगने को भी कहा।

कमिश्नर तिवारी ने सभी कलेक्टरों को जिला चिकित्सालयों का आकस्मिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग को आयुष्मान कार्ड अभियान चलाकर सौ प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने को कहा गया। महिला एवं बाल विकास विभाग को जिला पोषण विकास समिति की बैठकें नियमित रूप से करने के निर्देश मिले।

ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर समस्याओं का मौके पर समाधान करें

शिक्षा विभाग को सुनिश्चित करने को कहा गया कि शासकीय और अशासकीय स्कूल समय पर खुलें, छात्रवृत्तियां और शिष्यवृत्तियां समय पर वितरित हों, तथा छात्र उपस्थिति शत-प्रतिशत हो। अध्यापकों को नवीन तकनीक का उपयोग कर शिक्षण सुधार की दिशा में प्रयास करने की बात कही गई। कमिश्नर ने हर घर नल कनेक्शन योजना को 31 दिसंबर 2025 तक पूर्ण करने का लक्ष्य तय किया। उन्होंने सभी विभागों से कहा कि वे ग्रामीण क्षेत्रों का नियमित भ्रमण करें, महीने में एक दिन किसी गांव में रात्रि विश्राम करें और ग्रामीण समस्याओं का मौके पर समाधान करें। उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रसारित समाचारों पर सतर्क रहने और गलत जानकारी का तत्काल खंडन करने की सलाह दी। धान खरीदी कार्य 1 दिसंबर से 20 जनवरी तक संपन्न कराने के निर्देश भी दिए। इस बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास जी.सी. दोहर और अन्य संभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नपा के आउटसोर्स कर्मचारियों ने कार्यालय के सामने किया प्रदर्शन

इटारसी। दोपहर मेट्रो

नपा में कार्यरत आधा सैकड़ा से अधिक आउटसोर्स सफाई कर्मचारियों ने मंगलवार को सुबह नगरपालिका कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर अपना विरोध जताया है। कर्मचारियों को दो माह का वेतन नहीं मिलने से नाराज हैं। उन्हें की पारिवारिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। आउटसोर्स कर्मचारियों पर शहर की सफाई व्यवस्था का जिम्मा है, ऐसे में शहर की सफाई व्यवस्था डगमगा सकती है।कर्मचारियों ने बताया की उन्हें कलेक्टर रेट के हिसाब से भी वेतन नहीं दिया जाता है। पिछले दो माह से वेतन नहीं मिला है। जिससे उन्हें आर्थिक परेशानी से जूझना पड़ रहा है। प्रदर्शन के बाद कर्मचारियों ने दोपहर में सम्बंधित अधिकारी से मिलकर इस समस्या का समाधान करवाने की बात कही है।

पात्र विद्यार्थियों को मिले छात्रवृत्ति का लाभ : कलेक्टर

विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में दिए सख्त निर्देश

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले की कलेक्टर सोनिया मीना ने विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति सहित अन्य छात्र योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलेक्टर मीना ने बैठक में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, स्वास्थ्य, शिक्षा और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभागों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कृषि विभाग को निर्देश दिए कि किसानों को एनपीके, टीएसपी, एसएसपी जैसे वैकल्पिक उर्वरकों के प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाए और गोदामों में भंडारित लगभग 5500 एमटी एनपीके तथा 2200 एमटी कॉम्प्लेक्स उर्वरक का वितरण शीघ्र सुनिश्चित कराया जाए।

उद्यानिकी विभाग को महिला कृषकों को मांग आधारित सब्जी उत्पादन से जोड़ने के निर्देश दिए गए। जिले के केसला, माखननगर और नर्मदापुरम विकासखंडों में क्लस्टर गठन कर 500 महिला किसानों को शामिल किया जा रहा है। कलेक्टर ने कहा कि विपणन व्यवस्था को बेहतर बनाकर महिला किसानों को आर्थिक सशक्तिकरण प्रदान किया जाए। कलेक्टर ने मत्स्य विभाग से कहा कि आधुनिक तकनीकों जैसे आरएएस, बायोफ्लॉक्स और केज कल्चर के माध्यम से उत्पादन बढ़ाया जाए। स्वास्थ्य विभाग को सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग, आयुष्मान और क्षय उन्मूलन जैसी योजनाओं की प्रगति तेज करने के निर्देश दिए गए।शिक्षा विभाग को निर्देशित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि मिशन अंकुर के तहत बच्चों की बुनियादी साक्षरता व अंकगणितीय दक्षता की नियमित समीक्षा की जाए और वर्कबुक अभ्यास की सतत मॉनिटरिंग हो। उन्होंने यह भी कहा कि कोई पात्र विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित न रहे।बैठक के दौरान स्वामित्व योजना, मुख्यमंत्री डेरी प्लस योजना, गौशाला निर्माण और गीता भवन के लिए भूमि आवंटन जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, डिप्टी कलेक्टर सरोज परिहार, बृजेंद्र रावत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सर्वर डाउन होने से यूरिया वितरण प्रभावित, गुस्साए किसानों ने जाम कर किया विरोध, आज फिर से बांटा

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सर्वर में आई तकनीकी खराबी के कारण सोमवार को डीएपी और यूरिया खाद का वितरण प्रभावित रहा। इस दौरान खाद न मिलने से नाराज किसानों ने शाम करीब 7 बजे कृषि उपज मंडी के सामने सड़क जाम करने का प्रयास किया। सूचना मिलते ही पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और किसानों को समझाइश देकर शांत कराया।

मार्कफेड अधिकारियों ने बताया कि गोदामों पर सुबह से ही किसान खाद की प्रतीक्षा में कतारों में खड़े रहे। सर्वर की समस्या के चलते पूरे दिन में केवल कुछ किसानों को खाद वितरित की जा सकी। वहीं अभी तक लगभग 4 हजार किसानों को खाद उपलब्ध कराया गया है। नियम अनुसार खाद वितरण का समय सुबह 10.30 से दोपहर 3.30 बजे तक निर्धारित है, लेकिन किसानों की सुविधा के लिए शाम तक वितरण जारी रखा गया। किसानों का कहना है कि खाद की कमी से गेहूं की बोवनी में देरी हो रही है, जिससे फसल प्रभावित होने की आशंका है।गोदाम प्रभारी संजय शुक्ला ने बताया कि सोमवार को सर्वर की समस्या के बावजूद कुछ किसानों को खाद दी गई थी। जिन किसानों को खाद नहीं मिल पाई, उन्हें मंगलवार को अलग व्यवस्था के माध्यम से खाद उपलब्ध कराई जा रही है।

नोडल अधिकारी ने ली एसआइआर की जानकारी

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

भारत निर्वाचन आयोग एवं कलेक्टर के निर्देश अनुसार विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 137 के नर्मदापुरम नगरीय निकाय क्षेत्र में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण कार्य चल रहा है। जिसमें नगरपालिका का समूचा अमला मतदाता जुटा हुआ है। नगरपालिका के करीब 94 बीएलओ और 94 सहायक कर्मचारी कार्य कर रहे हैं। जिनकी प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी व नगरीय निकाय की नोडल अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा ग्वालटोली क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 32 एवं 33 के मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। साथ ही एसआईआर का कार्य कर रहे नपा के अधिकारी कर्मचारी से चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्य तेजगति और पारदर्शितापूर्ण संपन्न कराएं। इस दौरान बीएलओ से कार्य के तहत मैपिंग, ई- एफ फार्म वितरण, बीएलओ एप में ई-एफ फार्म वितरण की एंट्री तथा मैपिंग हेतु आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने हेतु स्वयं मतदाताओं से चर्चा कर उन्हें अवगत कराया। यह जानकारी सहायक सुनील राठौर द्वारा दी गई।

मेट्रो एंकर

भ्रष्टाचार की जांच की मांग को लेकर एबीवीपी ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

लोकार्पण के 11 माह बाद ही जर्जर हो गया स्टेडियम

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा स्थानीय स्टेडियम में व्याप्त अव्यवस्थाओं, भ्रष्टाचार एवं रख-रखाव की गंभीर लापरवाही को लेकर एक ज्ञापन एसडीएम को सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि रजोदा में लगभग एक करोड़ 69 लाख की लागत से निर्मित स्टेडियम लोकार्पण के मात्र 11 महीनों में ही जर्जर स्थिति में पहुँच गया है। जिला संयोजक शुभम सिंह ठाकुर ने बताया कि स्टेडियम का रख-रखाव पूरी तरह उपेक्षित है।

लगभग 200 खिलाड़ी मजबूरन रोड या अन्य स्थानों पर अभ्यास करने को विवश हैं। परिसर में चौकीदार की तैनाती नहीं है, जिससे असामाजिक तत्व लगातार नुकसान पहुंचा रहे हैं। भवन एवं अन्य संरचनाएँ टूट-फूट की स्थिति में पहुंच चुकी हैं, जो गंभीर भ्रष्टाचार एवं लापरवाही को दर्शाता है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने प्रशासन से मांग की है कि स्टेडियम को तत्काल पुनः संचालित किया जाए। चौकीदार की स्थायी तैनाती हो जर्जर संरचनाओं की मरम्मत की जाए तथा निर्माण कार्य में हुए संभावित भ्रष्टाचार की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए।

नगर मंत्री गजेंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि यदि सात दिनों के भीतर प्रशासन द्वारा उचित कार्रवाई नहीं की जाती है तो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन एवं प्रशासन की होगी। एबीवीपी ने कहा कि खिलाड़ियों के भविष्य एवं सार्वजनिक हित के लिए स्टेडियम का पुनः संचालन आवश्यक है। परिषद ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई करने की अपील की है। ज्ञापन में मुख्य रूप से परिषद के कुलदीप शर्मा, गजेंद्र, उत्कर्ष, हीरेंद्र, पार्थ, राहुल, दक्ष,वरुण, वंश आदि मौजूद रहे।

प्रत्याशियों का निरंतर जनसंपर्क जारी

इटारसी। अखिल भारतीय नार्मदीय ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष पद हेतु होने वाले चुनाव के लिए प्रत्याशियों का निरंतर जनसंपर्क जारी है इसी श्रृंखला में इटारसी इकाई से मुलाकात करने एवं अपना वचन पत्र देने नर्मदा भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील विल्लोरे इटारसी पहुंचे। इटारसी इकाई की ओर से श्री दुर्गा नवग्रह मंदिर में आयोजित समारोह में महासभा अध्यक्ष पद के प्रत्याशी सुशील विल्लोरे का आत्मीय स्वागत किया गया । सुशील बिल्लोरे के साथ मे आये भोपाल इकाई अध्यक्ष सुभाष पगारे गोविन्द गुहा (अध्यक्ष श्री नर्मदा सेवा समाज), सुरेश काशिव (कार्यकारिणी सदस्य) एवं महिला महासभा अध्यक्ष श्रीमती सरिता पारे श्रीमति विभा पाराशर (उपाध्यक्ष श्री नर्मदा सेवा समाज भोपाल) वानापुरा इकाई अध्यक्ष आदित्य चौरे का भी पुष्पहारों से स्वागत किया गया। इस अवसर पर सुशील विल्लोरे ने वचन पत्र समाज के सदस्यों को दिया और उन्होंने विश्वास दिलाया कि यदि वह अध्यक्ष निर्वाचित होते हैं तब समाज के विकास के लिए पूरी मजबूती के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने अध्यक्ष पद के प्रत्याशी सुशील विल्लोरे को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम को गोविंद गीते भोपाल एवं प्रमोद पगारे ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर इटारसी इकाई अध्यक्ष मनमोहन पगारे, सचिव प्रमोद पगारे , कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र साकल्ले , वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविन्द शुक्ला एवं वरिष्ठ संरक्षक राजेंद्र कुमार पारे, दिनेश विल्लोरे, कमलेश पगारे, सीपी पाराशर, सुशील पाराशर, माहिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला पारे, श्रीमति पुष्पा पगारे, श्रीमति आभा शर्मा उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंद शुक्ला द्वारा किया गया।

जागरूकता से बच्चों का जीवन सुरक्षित करें

इटारसी। मुस्कान संस्था में थैलेसीमिया जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। थैलेसीमिया जनजागरण समिति के संरक्षक सत्येंद्र सिंह राठौड़ ने बालिकाओं को थैलेसीमिया के कारण, लक्षण, बचाव और उपचार की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह बीमारी आनुवांशिक होती है, जिसकी समय पर जांच और जागरूकता से बच्चों का जीवन सुरक्षित किया जा सकता है। मुस्कान संस्था में थैलेसीमिया जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें थैलेसीमिया जनजागरण समिति के संरक्षक सत्येंद्र सिंह राठौड़ ने बालिकाओं को थैलेसीमिया के कारण, लक्षण, बचाव और उपचार की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह बीमारी आनुवांशिक होती है और समय पर जांच व जागरूकता से बच्चों को सुरक्षित जीवन दिया जा सकता है। निरंतर कार्यों को समाज में प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर अधिवक्ता रमेश साहू ने कहा कि इनरव्हील क्लब द्वारा जल्द ही स्वास्थ्य एवं थैलेसीमिया जांच शिविर लगाया जाएगा। कार्यक्रम में संस्था संचालक मनीष सिंह ठाकुर ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि मुस्कान संस्था बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और जागरूकता के लिए लगातार कार्य कर रही है। कार्यक्रम में ऋतु राजपूत, शशांक राजपूत सहित मुस्कान परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाई

सिरोंज। मुख्यमंत्री पाठयक्रम के विद्यार्थियों ने भगवान बिरसा मुंडा की 150 वी जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई। एलबीएस कॉलेज में संचालित कक्षाओं के संयुक्त सत्र में उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में मौजूद मप्र जन अभियान परिषद ब्लॉक समन्वयक चरण सिंह दांगी परामर्शदाता प्रो नरेंद्र दांगी, दिनेश शाक्य, कृष्ण चंद्र पटेल, इंदर रघुवंशी, श्रीमति माया अहिरवार एवं विद्यार्थियों ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन चरित्र को लेकर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने बिरसा मुंडा को जल जंगल जमीन के लिए ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ युद्ध छेड़ने वाला योद्धा बताया। जिसने समाज एकजुट करके प्रकृति को बचाने अंग्रेजों से लोहा लिया। भगवान बिरसा ने मात्र 25 साल की आयु में समाज के हक में अंग्रेजों से युद्ध करते अपना बलिदान दिया। भगवान बिरसा मुंडा से हमें प्रकृतिक पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा लेनी चाहिए। समन्वयक ने हर वर्ष अपने जन्म दिन पर एक पेड़ लगा कर उसका पालन पोषण करने प्रेरित किया।

तेज सर्दी में धरने पर बैठीं कार्यकर्ता

नर्मदापुरम। न्यूनतम 26 हजार रुपये वेतन और सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने की मांग को लेकर आशा, ऊषा और सुपरवाइजर कार्यकर्ताओं ने 24 घंटे का धरना कलेक्ट्रेट के पास शुरू किया। ठंडी हवाओं और गिरते तापमान के बावजूद 27 मातृ शक्तियां पूरी रात खुले आसमान के नीचे डटी रहीं। धरना आज सुबह 11 बजे तक चला। सुबह धरने में शामिल हुई आशा, ऊषा कार्यकर्ता और सुपरवाइजर ने कलेक्ट्रेट रैली निकाली और अपनी मांगों का एक ज्ञापन अधिकारी को सौंपा। बता दें कि सोमवार को जिलेभर से 100 से अधिक आशा, ऊषा कार्यकर्ता और सुपरवाइजर आंदोलन में शामिल हुईं। ठंड से बचने के लिए कुछ महिलाओं ने कंबल-रजाई ओढ़ी, तो कुछ ने अलाव जलाकर रात गुजारी। महिलाओं की सुरक्षा के लिए कोतवाली थाना से दो महिला पुलिस कर्मी भी रातभर स्थल पर तैनात रहीं। धरने में शामिल ममता तिलोटे ने बताया कि उनकी मेहनत का पैसा पिछले चार महीने से नहीं मिला है। न बोनस दिया गया और न इंसेंटिव। उन्होंने कहा कि दिवाली जैसे बड़े त्योहार पर भी वेतन न मिलने से परिवारों को सामान्य तरीके से त्योहार मनाना पड़ा।आशा-ऊषा सुपरवाइजर एकता यूनियन (सीटू) की जिला अध्यक्ष बबीता चौबे ने कहा कि आशा वर्करों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा और 26 हजार रुपये वेतन मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि धरना खत्म होगा, लेकिन हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

तेंदूखेड़ा ब्लॉक के हर्रई तेजगढ़ की महिला की गंभीर हालत देख किया रेफर, जिला अस्पताल में सुबह साढ़े 8 बजे हुआ प्रसव

महिला ने तीन बच्चों को दिया जन्म, दो बेटी और एक बेटा, परिवार में आईं खुशियां

तेंदूखेड़ा/दमोह। दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत हर्रई तेजगढ़ से एक अनोखा मामला सामने आया है।जहां एक गर्भवती महिला द्वारा एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया है। फिलहाल तीनों बच्चे स्वस्थ हैं एक बच्चे का वजन कम होने के कारण उसे एसएनसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया है जिसका इलाज डाक्टर के देखरेख में चल रहा है।

दरअसल हर्रई तेजगढ़ निवासी ललित विश्वकर्मा की पत्नी रेवती विश्वकर्मा को मंगलवार सुबह चार बजे प्रसव पीड़ा शुरू हुई तो परिजन उसे तेजगढ़ उपस्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे लेकिन वहां पर डाक्टरों द्वारा हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल दमोह रेफर कर दिया गया जहां से सुबह 8.30 बजे रेवती ने सामान्य प्रसव से तीनों बच्चों को जन्म दिया जन्म लेने वाले बच्चों में दो लड़की और एक लड़का शामिल है। डाक्टरों के अनुसार तीनों बच्चे स्वस्थ हैं। घर में एक साथ दो बेटी व एक बेटा के आने से खुशी का माहौल है। जिला अस्पताल के डाक्टरों द्वारा बताया गया कि एक महिला जो हर्रई तेजगढ़ निवासी हैं। उन्होंने तीन बच्चों को जन्म दिया है। इसमें दो लड़की और एक लड़का शामिल हैं तीनों स्वस्थ हैं महिला को सुबह साढ़े 5 बजे जिला अस्पताल लाया गया था। जहां सुबह साढ़े 8 बजे तीनों बच्चों को जन्म दिया है फिलहाल एक साथ परिवार में तीन बच्चों की किलकारी गूंजने से बच्चे की मां रेवती और उसके पिता ललित विश्वकर्मा के अलावा उसका परिवार काफी खुश हैं। डॉक्टर ने बताया कि किसी महिला को जुड़वां बच्चे होना अब सामान्य मामला माना जाता है लेकिन जिले की एक महिला ने एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया है यह जिले में पहला मामला है तीनों बच्चे और मां पूरी तरह से स्वस्थ हैं एक साथ तीन बच्चों का जन्म देने की घटनाएं हजारों में एक होती है।

पहले से हैं दो बेटियां

तीन बच्चों को जन्म देने वाली महिला की पहले से दो बेटियां हैं जिसमें मानवी विश्वकर्मा 4 वर्ष मोनिका विश्वकर्मा 2 वर्ष की है और अब तीन बच्चों का जन्म आज हुआ है जिसमें दो लड़की है एक लड़का शामिल जहां अब महिला के 5 बच्चे होंगे महिला के चाचा ससुर एवं पत्रकार धनकुमार विश्वकर्मा ने बताया कि तीनों बच्चे स्वस्थ हैं एक बच्चे का वजन कम होने पर बच्चे को एसएनसीयू वार्ड में भर्ती हैं डॉक्टरों द्वारा देखरेख की जा रही है।

वरिष्ठ पत्रकार राकेश सोनी का निधन

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले के बिजुरी के वरिष्ठ पत्रकार राकेश सोनी का इलाज के दौरान निधन हो गया।

निधन की खबर से जिले में शोक की लहर दौड़ गई। सोनी विगत 18 सालों से पत्रकारिता के क्षेत्र में सेवाएं दे रहे थे। वे बेबाक, उत्कृष्ट लेखनी व निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए जाने जाते थे, वे अपनी लेखनी से गरीबों मजलूमों की आवाज को शासन प्रशासन तक पहुंचा कर उन्हें न्याय दिलाने का पूरा प्रयास करते थे। उनके आकस्मिक निधन पर दुख व्यक्त करने वालों में कोतमा विधायक व राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल, कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त रामलाल रौतेल, अनूपपुर विधायक बिसाहूलाल सिंह, पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह, नपाध्यक्ष बिजुरी सहबिन लखन पनिका, नपा उपाध्यक्ष बिजुरी प्रीति सतीश शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

सागर कलेक्टर के निर्देश 8.30 बजे से लगें स्कूल

सागर। कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद जैन ने जिले में सर्दी के प्रभाव को देखते हुए सभी शासकीय, अशासकीय विद्यालयों में समय में परिवर्तन किया गया है। जारी आदेश के अनुसार नर्सरी से कक्षा 5वीं तक की कक्षाओं का संचालन प्रातः 9 बजे से पूर्व नहीं किया जाएगा। कक्षा 6वीं से 12वीं तक की कक्षाओं का संचालन प्रातः 08ः 30 बजे से पूर्व नहीं किया जाएगा।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की बड़ी कार्रवाई

3 एसडीएम, 15 तहसीलदार को नोटिस 3 बूथ लेवल अधिकारी किए निलंबित

चुनाव से संबंधित सभी अधिकारी शीघ्रता से एसआईआर सर्वे का कार्य करें

सागर। दोपहर मेट्रो

भारत निर्वाचन आयोग के निर्वाचक नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के तहत जिले में चल रहे एसआईआर सर्वे कार्य में लापरवाही सामने आने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जी आर ने बड़ी कार्रवाई की है। एसआईआर सर्वे में विलंब और प्रगति शून्य होने पर 3 एसडीएम व 15 तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं, वहीं 3 बीएलओ को निलंबित किया गया है।

एसआईआर सर्वे में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए, जिनमें अनुविभागीय अधिकारी खुरई मनोज चौरसिया, संयुक्त कलेक्टर एवं निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी आरती यादव एवं अनुविभागीय अधिकारी सुरखी रोहित वर्मा एवं तहसीलदार अंबर पंथी, राकेश कुमार अहिरवार, कमलेश कुमार सतनामी, निर्मल सिंह राठौर, हरीश लालवानी, प्रीति रानी चौरसिया, प्रेम नारायण सिंह, राजेश कुमार पांडे, महेश दुबे, संदीप तिवारी, देवी प्रसाद चक्रवर्ती, मोहित जैन, ज्ञान चंद्र राय शामिल हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समय सीमा में सर्वे कार्य पूरा किया जाना अनिवार्य है, और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विधानसभा क्षेत्र सुरखी में मैपिंग एवं एसआईआर सर्वे कार्य के दौरान गंभीर लापरवाही पाए जाने पर बूथ लेवल अधिकारियों को निलंबित किया गया जिनमें देवेन्द्र चौरसिया, प्राथमिक शिक्षक मतदान केन्द्र क्रमांक 155, जैसीनगर, अरुण अहिरवार, शिक्षक मतदान केन्द्र क्रमांक 257, करैया एवं कामता प्रसाद पटेल सचिव ग्राम कटंगी मतदान केंद्र क्रमांक 193 बीएलओ 37 सुरखी विधानसभा क्षेत्र को निर्वाचन अधिकारी द्वारा पहले नोटिस जारी किए जाने के बावजूद भी सर्वे डिजिटाइजेशन की प्रगति शून्य पाई गई। कार्य में सुधार न होने पर यह कार्रवाई की गई। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जी आर ने जिले के सभी निर्वाचन संबंधी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि एसआईआर सर्वे का कार्य निर्धारित समय सीमा में तेजी एवं पूर्ण गंभीरता के साथ पूरा करें, अन्यथा कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सैलवाड़ा में मंगल भवन का लोकार्पण

तेंदूखेड़ा। जबेरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत तेंदूखेड़ा मंडल के ग्राम सैलवाड़ा में 25 लाख की लागत से नवनिर्मित सामुदायिक मंगल भवन का लोकार्पण किया गया। इस भव्य एवं सुव्यवस्थित भवन के निर्माण से ग्रामवासियों को विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक कार्यक्रमों के आयोजन में महत्वपूर्ण सुविधा प्राप्त होगी। कार्यक्रम के दौरान भाजपा की नीतियों एवं कार्यशैली से प्रभावित होकर तेंदूखेड़ा के पूर्व पार्षद बाला साहू ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि मूरत सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन ,ग्राम सैलवाड़ा की सरपंच नीतू साहू युवा नेता राजकुमार ठाकुर युवा नेता राहुल ठाकुर अखिलेश साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पार्टी कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम सफलतापूर्वक एवं उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

प्रशिक्षक प्रभारी ने दिया प्रशिक्षण

तेंदूखेड़ा। ग्राम हर्रई में एसआईआर के विषय को लेकर कांग्रेस पार्टी की तरफ से मुख्य अतिथि के रूप में प्रशिक्षक प्रभारी संजय पटेरिया एवं जबेरा प्रभारी मार्तंड देव बुंदेला एवं पूर्व विधायक प्रताप सिंह लोधी के मार्गदर्शन में बीएलओ को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षक संजय पटेरिया के द्वारा बताया गया कि 56 जबेरा विधानसभा लगभग 295 बीएलओ नियुक्त किए गए हैं जिनका कार्य अपने-अपने पोलिंग बूथ एवं गांव में जो सरकार द्वारा एसआरआर कार्य कराया जा रहा है। उसकी निगरानी करना एवं लोगों को एसआईआर फॉर्म भरने में मदद करना सरकार द्वारा नियुक्त बीएलओ की मदद करना एवं बाहर से आई अपनी बहन बेटियों के मां-बाप की जानकारी लेकर एपिक नंबर फार्म में दर्ज करना। इस मौके पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नीलेश यादव, विधानसभा अध्यक्ष श्रीकांत पोर्ते, जनपद पंचायत अध्यक्ष तुलाराम यादव, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष रामकुमार साहू, मदन नामदेव, भक्त प्रहलाद यादव, मुशी लाल, पीताम्बर साहू, रतन साहू, गोपाल दुवे,नोनेलाल परस्ते, प्रमोद वेन सहित ने कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

सागर। कैंट थाना क्षेत्र के कबूला पुल से रेलवे स्टेशन मार्ग पर एक कार ड्राइवर की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि पुरानी रंजिश के चलते वारदात को अंजाम दिया गया है. दुखद यह है कि मृतक युवक की मंगलवार को सगाई होना थी। सीसीटीवी फुटेज में तीन हमलावर नजर आए हैं पुलिस फुटेज खंगाल रही है. कैंट थाना प्रभारी रोहित डोंगरे ने बताया कि मृतक 33 वर्षीय दीपचंद पिता स्व. दयाराम साहू मोतीनगर थाना क्षेत्र के अंबेडकर वार्ड का रहने वाला था। वह एक खटीक परिवार की कार से शिक्षिका को स्कूल छोड़ने और लेने जाता था। गत दिवस शाम करीब 5 से 6 के बीच रेलवे स्टेशन से कुछ दूर स्थित कार सर्विसिंग सेंटर पर आरोपी से विवाद हुआ। दीपचंद कार से बाहर निकला तो आरोपी ने उसे पीठ में चाकू मार दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक दीपचंद की मंगलवार को सगाई थी। मृतक के बड़े भाई संतोष साहू ने बताया कि भाई का किसी से कोई विवाद नहीं था, लेकिन 2 महीने पहले बुलेट बाइक से दो लड़के आए थे, जिन्होंने उससे मारपीट की थी। कैंट थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मोतीनगर थाना क्षेत्र के इतवारी टोरी का मामला

घर में घुसकर मारपीट व तोड़फोड़ करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

सागर। दोपहर मेट्रो

लगातार गश्त के बावजूद आरोपियों में पुलिस का खौफ कम हो रहा है, हालांकि पुलिस भी लगातार कार्यवाई कर आरोपियों को दबोचने में कामयाब हो रही है. हाल ही में मोतीनगर थाना क्षेत्र इतवारी टोरी में तीन आरोपियों ने घर में घुसकर मारपीट करने वाले की। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है. मिली जानकारी के अनुसार फरियादी सुलभ उर्फ ईशान पिता शशिकांत यादव, उम्र 24 वर्ष निवासी इतवारी वार्ड घुसयाना फर्स द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई कि अंकित घोषी से पूर्व से रंजिश चल रही है।

गत 15 नवंबर की शाम वह अपने घर पर था तभी अंकित घोषी अपने अन्य साथियों के साथ घर के सामने पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए घर के बाहर खड़ी स्कूटी व मुख्य द्वार पर पत्थर मारने लगा। फरियादी एवं उसकी माता द्वारा मना करने पर आरोपी दरवाजे में लात मारते हुए घर के अंदर घुस आए तथा फरियादी की माता शकुन यादव को धक्का दे दिया, जिससे वे गिर गईं और चोटिल हो गईं। आरोपियों ने घर के अंदर भी तोड़फोड़ कर बालकनी में लगा कांच तोड़ दिया। हल्ला सुनकर पास में रहने वाली फरियादी की बड़ी माता ऊषा यादव मौके पर आईं तो आरोपियों ने उन्हें भी गाली-गलौज करते हुए उनके घर में पत्थर फेंके, जिससे उनके घर का दरवाजा एवं खिड़की का कांच क्षतिग्रस्त हो गया। जाते समय आरोपियों ने फरियादी व परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। थाना मोतीनगर विभिन्न धाराओं अपराध प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया। पुलिस ने आरोपी अंकित घोषी, सूरज अहिरवार, उम्र, अलहान खान को गिरफ्तार कर लिया।

मरीज के परिजनों से की हाथापाई, तीन सुरक्षाकर्मी निलंबित

सागर। दोपहर मेट्रो

बीएमसी (बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज) में मरीज के परिजनों से हाथापाई के मामले में डीन ने सुरक्षा कर्मियों को निलंबित कर दिया है। मीडिया प्रभारी डॉ सौरभ जैन ने बताया कि 14 नवंबर की रात करीब 9:40 बजे वार्ड नंबर 5 में भर्ती महिला मरीज के पति जब वार्ड के पास आए तो वह वार्ड में जाने की जिद कर रहे थे। जिसमें सुरक्षाकर्मी द्वारा देखा गया कि वह नशे की हालत में है तो उन्हें वार्ड में जाने से रोका गया और अंदर जाने से मना किया गया। लेकिन वह नहीं माने और गार्ड के साथ ही अभद्र व्यवहार करने लगे जिस पर गार्ड के द्वारा अपने सुपरवाइजर और गार्ड को जानकारी दी गई। उक्त परिस्थिति में चूंकि सुरक्षाकर्मी के द्वारा भी मरीज के परिजन के साथ हाथापाई की गलती की गई.इस संबंध में डीन डॉ. पी एस ठाकुर द्वारा सख्त कार्रवाई करते हुए उक्त सभी सुरक्षा कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। डीन डॉ.ठाकुर ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अस्पताल के सभी सुरक्षाकर्मी मरीज के परिजनों से अच्छा व्यवहार रखें।

मेट्रो एंकर

छत्तीसगढ़ से आए चार हाथियों ने गांवों और खेतों में किया भारी नुकसान

हाथियों के झुंड ने मचाया आतंक, ग्रामीणों में दहशत

मंडला । दोपहर मेट्रो

जिले के मवई विकासखंड में जंगली हाथियों का झुंड 10 दिनों से आतंक मचा रहा है। छत्तीसगढ़ से आए चार हाथियों के इस झुंड ने कान्हा बफर जोन से होते हुए गांवों और खेतों में भारी नुकसान पहुंचाया है। इससे ग्रामीण दहशत में हैं। वहीं वन विभाग की टीम उनकी लगातार निगरानी कर रही है।

मवई के नायब तहसीलदार ने बताया कि हाथियों ने अब तक तीन घरों को क्षतिग्रस्त किया है। परसेल गांव में करीब 20 किसानों की फसलें बर्बाद कर दी हैं। इसके अलावा, कुदराई, आमगहन, सैदा और सठिया सहित अन्य स्थानों पर भी फसलों को नुकसान पहुंचा है।आमगहन गांव में हाथियों ने एक राशन दुकान की खिड़की तोड़कर अंदर रखा अनाज भी खा लिया। राशन दुकान से अनाज खाने के बाद से ये हाथी रोजाना आमगहन गांव में आ रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल है।

सीधी सहकारी समिति में फिर से भ्रष्टाचार का तड़का

खरीदी केंद्र पर कब्जे की जंग, रसगुल्ला खाने वाले सूखी रोटी भला क्यों खाएं?

शहडोल/सीधी। दोपहर मेट्रो

धान खरीदी का सीजन अभी शुरू हुआ ही नहीं हैं, सीधी आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित के प्रबंधक और स्टाफ मानो फिर से सक्रिय मोड़ में आ गए हैं। सूत्र बताते हैं कि विगत वर्ष की खरीदी में सीधी और झिरिया केंद्रों पर करोड़ों के धान की बंदरबांट के बीच लगभग 57 लाख रुपये की मोटी कमाई कुछ खास शुभचिंतकों के खातों में उतारी गई थी और रकम निकलते ही मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। जानकारी अनुसार सीधी आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित में लगभग 10 वर्ष पूर्व भी सीधी समिति के पुराने रिकॉर्ड में लगभग 1 करोड़ 3 लाख रूपये का गवन हो चुका है। लेकिन इस बार प्रशासन ने खेल बिगाड़ने की तैयारी कर ली है। खरीदी केंद्रों को भ्रष्टाचारियों की पकड़ से दूर रखने के लिए व्यवस्था महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपने की योजना बन चुकी है।

यही कारण है कि समिति प्रबंधन के कुछ कथित खिलाड़ी पिछले पंद्रह दिनों से जी-तोड़ मेहनत में लगे हुए हैं। दबी जुबान में लोग कह रहे हैं कि इन्हें डर सता रहा है कि कहीं इस बार रसगुल्लों की प्लेट हाथ से फिसल न जाए। आरोप है कि अपने ही खास स्व-सहायता समूहों को आगे कर खरीदी केंद्र हथियाने की जोर-आजमाइश जारी है, ताकि एक बार फिर पुराने अंदाज़ में बंधन मुक्त भ्रष्टाचार किया जा सके।

क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म

खरीदी केंद्रों की इस नई साज़िश से क्षेत्र के किसान खासे चिंतित हैं। उनका कहना है कि पिछले साल की तरह यदि इस बार भी सांठगांठ गैंग हावी हुआ, तो धान खरीदी रसगुल्ले की तरह चंद लोगों में बंट जाएगी और किसानों को फिर सूखी रोटी ही नसीब होगी। अब देखना यह है कि प्रशासन अपनी सख्ती पर कायम रहता है या फिर रसगुल्लों की मिठास में मजबूती की दीवार गल जाती है। फिलहाल सीधी सहकारी समिति की हर हलचल पर क्षेत्र की निगाहें टिकी हुई हैं।

टूर्नामेंट का पहला मेगा ऑक्शन 27 नवंबर को दिल्ली में होगा

विमेंस प्रीमियर लीग की शुरुआत 7 जनवरी से मुंबई में होंगे लीग मैच, बड़ौदा में होगा फाइनल

मुंबई. एजेंसी

विमेंस प्रीमियर लीग के चौथे सीजन की शुरुआत 7 जनवरी से होगी। फाइनल 3 फरवरी को खेला जा सकता है। क्रिकबज के अनुसार, टूर्नामेंट के शुरुआती लीग मैच मुंबई के पाटिल स्टेडियम में खेले जा सकते हैं, जिसने हाल ही में विमेंस वर्ल्ड कप फाइनल की मेजबानी की थी। बाकी मैचों के लिए बड़ौदा को चुना गया है, जिसमें कोटांबी स्टेडियम में होने वाला फाइनल भी शामिल है। बड़ौदा में मुकाबले 16 जनवरी से शुरू हो सकते हैं, क्योंकि इसी मैदान पर 11 जनवरी को भारत-न्यूजीलैंड का वनडे मैच खेलना है। टूर्नामेंट का पहला मेगा ऑक्शन इसी महीने 27 नवंबर को दिल्ली में होगा।

पिछले सीजन में 4 शहरों ने की थी मेजबानी: डब्ल्यूपीएल के तीसरे सीजन की मेजबानी 4 शहरों ने की थी। इनमें लखनऊ, बेंगलुरु, मुंबई और बड़ौदा शामिल थे। ब्लब्द्ध ने अभी फ्रेंचाइजी मालिकों को आधिकारिक रूप से नहीं बताया है कि इस बार मैच किस शहर में होंगे, लेकिन अनौपचारिक बातचीत में इन्हीं वेन्यूज पर चर्चा चल रही है। टीमों को औपचारिक जानकारी 27 नवंबर को दिल्ली में होने वाली नीलामी के दौरान दी जा सकती है। इस बार भी मेजबानी के लिए वहीं 4 शहर- लखनऊ, बेंगलुरु, मुंबई और बड़ौदा ने दावेदारी पेश की थी। जिसमें मुंबई और बड़ौदा चुने गए हैं।

जनवरी में इसलिए : अभी तक विमेंस प्रीमियर लीग के तीनों सीजन मार्च में खेले गए हैं। पहली बार टूर्नामेंट जनवरी में कराया जाएगा। इसके पीछे दो मुख्य वजह हैं- पुरुषों का टी-20 वर्ल्ड कप फरवरी के पहले हफ्ते से भारत और श्रीलंका में शुरू हो रहा है, जो एक महीने चलेगा। जनवरी को डब्ल्यूपीएल की स्थायी विंडो माना जा रहा है, ताकि लीग की तारीखें किसी अन्य टी-20 लीग या आईसीसी के फ्यूचर टूर प्रोग्राम से न टकराएं। पिछले सीजन की चैंपियन मुंबई इंडियंस है। डब्ल्यूपीएल को सबसे ज्यादा 2 बार मुंबई इंडियंस ने जीता है। टीम ने 2023 के पहले और 2025 के तीसरे सीजन में जीत हासिल की थी। 2024 के दूसरे सीजन को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीता था। डब्ल्यूपीएल के अगले सीजन के लिए रिटेंशन लिस्ट 6 नवंबर को जारी हुई थी। इनमें कप्तान हरमनप्रीत कौर को मुंबई, स्मृति मंधाना को बेंगलुरु और जेमिमा रोड्रिग्ज को दिल्ली ने रिटेन किया था।

हर फ्रेंचाइजी के पास 15 करोड़ रुपए का बजट, राइट-टु-मैच कार्ड भी मिलेगा

ऑक्शन से पहले फ्रेंचाइजी टीमें 5 प्लेयर्स को रिटेन कर सकेंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, खिलाड़ियों को रिटेन करने की आखिरी तारिख 5 नवंबर है, जिसकी जानकारी टीमों को दे दी है। जबकि प्रक्रिया 25 से 29 नवंबर के बीच हो सकती है। फ्रेंचाइजी को किए ईमेल में कहा हर टीम ज्यादा से ज्यादा तीन कैप्ड भारतीय, दो विदेशी और दो अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी रिटेन कर सकती है। अगर कोई फ्रेंचाइजी पांच खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उनमें कम से कम एक अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी होना अनिवार्य है। हर फ्रेंचाइजी के पास 15 करोड़ रुपए का बजट ऑक्शन के लिए हर फ्रेंचाइजी के पास 15 करोड़ रुपए का पर्स है। वहीं, रिटेंशन स्लैब्स के लिए गाइडलाइन भी जारी की हैं। अगर कोई फ्रेंचाइजी पांच खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उसकी पर्स से 9.25 करोड़ रुपए काटे जाएंगे। चार खिलाड़ियों के लिए 8.75 करोड़ रुपए, तीन के लिए 7.75 करोड़ रुपए, दो के लिए 6 करोड़ रुपए और एक के लिए 3.5 करोड़ रुपए घटाए जाएंगे।

पहली बार भारत से बाहर हो रहा आयोजन

महिला कबड्डी का खिताब डिफेंड करने उतरेगा भारत

ढाका, एजेंसी

भारत महिला कबड्डी विश्व कप 2025 में डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में उतरेगा। यह टूर्नामेंट सोमवार से बांग्लादेश के ढाका में शुरू हो रहा है। सभी मुकाबले 17 से 24 नवंबर के बीच मीरपुर स्थित शहीद सुहरावर्दी इंडोर स्टेडियम में खेले जाएंगे। भारत में महिला कबड्डी विश्व कप 2025 की लाइव स्ट्रीमिंग भी उपलब्ध रहेगी।

यह टूर्नामेंट 13 साल बाद वापसी कर रहा है और यह कुल मिलाकर दूसरा महिला कबड्डी विश्व कप है। पहले संस्करण में भारत की महिला टीम ने पटना, बिहार में खेले गए फाइनल में ईरान को हराकर खिताब जीता था। उस समय 16 टीमों ने खिताब के लिए मुकाबला किया था। 2025 संस्करण को पहले जून में बिहार में आयोजित होना था, फिर इसे अगस्त के लिए हैदराबाद शिफ्ट किया गया, लेकिन कई बार स्थगित होने के बाद आखिरकार इसे बांग्लादेश में आयोजित करने का फैसला लिया गया। यह टूर्नामेंट इतिहास में पहली बार भारत के बाहर आयोजित हो रहा है। इससे पहले सभी तीन पुरुष कबड्डी विश्व कप भी भारत में ही खेले गए थे। कुल 11 टीमें महिला कबड्डी विश्व कप 2025 में खिताब की दौड़ में उतरेंगी। भारत, बंगलादेश, चीनी ताइपे, जर्मनी, ईरान, केन्या, नेपाल, पोलैंड, थाईलैंड, युगांडा और ज़ांज़ीबार। अर्जेंटीना भी हिस्सा लेने वाली थी, लेकिन उसने अपना नाम वापस ले लिया। टीमों को दो ग्रुपों में बांटा गया है, जहां एक में छह और दूसरे में पांच टीमें हैं।

भारत और ईरान कबड्डी की दिग्गज टीमें मानी जाती हैं, लेकिन चीनी ताइपे ने 2023 एशियन गेम्स में सबको चौंकाया था। समूह चरण में उन्होंने भारत को ड्रॉ पर रोका और फाइनल में सिर्फ एक अंक से हार माननी पड़ी थी। भारत ने महिला कबड्डी विश्व कप 2025 के लिए 14 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। ऋतु नेगी, जो हांगझोऊ में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम की कप्तान थीं, एक बार फिर टीम की कप्तानी करेंगी। पुष्पा राणा को उप-कप्तान बनाया गया है। सोनाली शिंगाड़े, जिन्होंने इस साल भारतीय टीम को एशियन चैम्पियनशिप खिताब दिलाया था, वे भी टीम का हिस्सा हैं।भारतीय टीम की कोचिंग तेजस्विनी बाई और कविता सेल्वराज करेंगी।

2027 में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप बीजिंग में

ग्लासगो में आयोजित वर्ल्ड एथलेटिक्स परिषद की बैठक में फैसला

बीजिंग, एजेंसी

चीन के बीजिंग में 2027 में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप का आयोजन किया जाएगा। वर्ल्ड एथलेटिक्स इंडोर चैम्पियनशिप से पहले ग्लासगो में आयोजित 234वीं वर्ल्ड एथलेटिक्स परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक से पहले इतावली एथलेटिक्स महासंघ ने रोम की दावेदारी को वापस ले लिया। जिसके बाद बीजिंग के लिए रास्ता साफ हो गया। इटली की सरकार ने पैसे देने से मना कर दिया, जिसके बाद इतावली एथलेटिक्स महासंघ ने दावेदारी से अपने हाथ पीछे खींच लिए। चीन दूसरी बार वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप का आयोजन कर रहा है। 2015 में चीन में इसका आयोजन हो चुका है। वहीं चीन में अगले साल नानजिंग में इंडोर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की भी मेजबानी कर रहा है। 2008 में चीन ने बीजिंग में ग्रीष्मकालीन ओलिंपिक और 2022 में शीतकालीन खेलों की मेजबानी की। वर्ल्ड एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने एक बयान में कहा, यह दुनिया के सबसे बड़े वाणिज्यिक बाजारों में से एक में हमारे खेल और प्रशंसक आधार को बढ़ाने का एक बड़ा अवसर है। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप और ओलिंपिक गेम्स में जेवलिन में गोल्ड जीतने वाले नीरज चोपड़ा ने पिछले साल ज्यूरिख में डायमंड लीग के 2027 के लिए बोली लगाने का दावा किया था। नीरज ने ज्यूरिख में डायमंग लीग के दौरान प्रेस कांन्फ्रेंस में भारत की वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की मेजबानी की संभावना के बारे में पूछे जाने पर नीरज ने कहा था, भारत 2027 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की मेजबनी की बोली लगाने जा रहा है।

भारत के चार पदक पक्के

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी

विश्व चैंपियन मीनाक्षी, प्रीति, अंकुश फंगल और नरेंद्र बेरवाल ने भारत को विश्व मुक्केबाजी कप फ़ाइनल के पहले दिन शानदार शुरुआत दिलाई, जहां चारों ने प्रभाव शाली जीत के साथ पदक पक्के किए। प्रत्येक वर्ग में दुनिया के केवल 8 शीर्ष मुक्केबाज़ों ने हिस्सा लिया, लेकिन भारतीय चौकड़ी ने पहले दौर में शानदार प्रदर्शन कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया और शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में पोडियम फ़िनिश सुनिश्चित कर ली। विश्व स्तरीय दावेदारों के लिए विशेष रूप से आरक्षित इस क्षेत्र में, हर मुकाबले में सटीकता व संयम की आवश्यकता थी, और भारतीयों ने पूरी क्षमता से इस अवसर का लाभ उठाया। विश्व चैंपियनशिप लिवरपूल की स्वर्ण पदक विजेता मीनाक्षी (48 किग्रा) ने शुरुआत में ही अपनी लय बना ली.

धनुष श्रीकांत ने तोड़ा रिकार्ड, जीता स्वर्ण

टोक्यो, एजेंसी

भारत के युवा स्टार निशानेबाज़ धनुष श्रीकांत ने 25वें ग्रीष्मकालीन डेफलिंपिक्स में इतिहास रचते हुए 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में विश्व बधिर रिकॉर्ड तोड़कर स्वर्ण पदक जीता। यह न केवल भारत का इस संस्करण का पहला स्वर्ण है, बल्कि डेफलिंपिक्स में भारत की निशानेबाज़ी का अब तक का सबसे दमदार शुरुआती प्रदर्शन भी माना जा रहा है। धनुष ने फ़ाइनल में अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ते हुए शानदार 252.2 अंक बनाए, जो उनके पिछले 251.7 अंकों के रिकॉर्ड से अधिक है। फाइनल में उनके मजबूत प्रतिद्वंद्वी और भारतीय साथी मोहम्मद मुर्तज़ा वानिया ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 250.1 अंकों के साथ रजत पदक अपने नाम किया। इस तरह पुरुष वर्ग में भारत ने स्वर्ण और रजत–दोनों शीर्ष स्थान हासिल किए और शुरुआती दिन ही प्रतियोगिता पर अपनी पकड़ मज़बूत की। महिलाओं ने भी इस सफलता को आगे बढ़ाया और शानदार प्रदर्शन करते हुए दो पदक जीते। महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में भारत की माहित संधू ने 250.5 अंकों के साथ रजत पदक हासिल किया। वे यूक्रेन की वायलेट्टा लाइकोवा से मात्र 1.9 अंक से पीछे रहीं, जिन्होंने 252.4 अंकों के साथ स्वर्ण जीता। भारत की कोमल मिलिंद वाघमारे ने 228.3 अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल किया और भारतीय महिला निशानेबाजों के लिए दोहरा पोडियम फ़िनिश सुनिश्चित किया। धनुष की जीत कई मायनों में बड़ी उपलब्धि है। उनका फाइनल स्कोर 252.2 अंक पिछले हफ्ते आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में जर्मनी के मैक्सिमिलियन डेलिंगर द्वारा बनाए गए 252.0 अंकों से भी अधिक है। दोनों प्रतियोगिता के रिकॉर्ड अलग-अलग माने जाते हैं, लेकिन यह तुलना धनुष की क्षमता और उनकी विश्व स्तरीय फॉर्म को दर्शाती है।

मेट्रो बाजार

जीएसटी सुधारों के बाद कृत्रिम धागों से बढ़ेगा उद्योग, मिलेगी गति

नईदिल्ली, एजेंसी

नयी दिल्ली, 16 नवंबर. वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत नयी पीढ़ी के सुधारों में कपास और कृत्रिम धागों (एमएमएफ) पर कर की दर एक समान पांच प्रतिशत कर दी गयी है जिससे कपड़ा उद्योग की रफ्तार और बढ़ने की उम्मीद है. कपड़ा उद्योग पारंपरिक रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग रहा है. सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश के सकल घरेलू उत्पाद में कपड़ा एवं वस्त्र उद्योग का योगदान 2.3 प्रतिशत रहा. कुल औद्योगिक उत्पादन में इसका योगदान 13 प्रतिशत और निर्यात में 12 प्रतिशत है. भारत कपड़े और वस्त्रों का दुनिया में छठा सबसे बड़ा निर्यातक है. वित्त वर्ष 2023-24 में 34.4 अरब डॉलर का कपड़ा (तैयार वस्त्र और अन्य उत्पाद समेत) निर्यात किया गया था और इस क्षेत्र के वैश्विक व्यापार में देश की हिस्सेदारी 3.91 प्रतिशत है. कृषि के बाद यह सबसे बड़ा रोजगार देने वाला क्षेत्र है. इसमें 4.5 करोड़ लोग सीधे काम करते हैं. कपास उगाने में पानी की काफी खपत के कारण यह अधिक महंगा होता है. यही कारण है कि दुनिया में अब कृत्रिम धागे ही ज्यादा इस्तेमाल किये जाते हैं. जीएसटी के तहत सितंबर तक कपास पर पांच प्रतिशत और एमएमएफ पर 18 प्रतिशत कर लग रहा था. कारण देश में एमएमएफ का इस्तेमाल अब भी कपास से पीछे है. गत 22 सितंबर से लागू अगली पीढ़ी के सुधारों में अब कपास और एमएमएफ दोनों पर बराबर कर लगाया जा रहा है. डोढिया समूह के निदेशक भद्रेश डोढिया ने बताया कि जीएसटी सुधारों के बाद अब एमएमएफ को कॉटन से बेमेल प्रतिस्पर्धा नहीं करनी होगी.

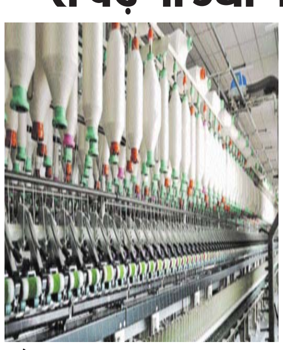

चावल, गेहूं सहित दालों में साप्ताहिक तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव बढ़ गये. गेहूं और दालों के दाम भी चढ़ गये. चीनी सस्ती हुई जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया. घरेलू थोक जिंस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 76 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,818.29 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी. गेहूं 11 रुपये की मजबूती के साथ 2,857.13 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया. आटे की कीमत 3,312.86 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग अस्थिर रही. बीते सप्ताह मूंगफली तेल औसतन 149 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया. सरसों तेल की औसत कीमत स्थिर रही. पाम ऑयल में 21 रुपये प्रति क्विंटल की साप्ताहिक बढ़त देखी गयी. सोया तेल 38 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ. सूरजमखी तेल की कीमत 72 रुपये और वनस्पति की 78 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी. दाल-दलहनों में साप्ताहिक तेजी रही. चना दाल की कीमत 46 रुपये और मूंग दाल की 50 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी. तुअर दाल पांच रुपये और उड़द दाल तीन रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई. मसूर दाल की औसत कीमत स्थिर रही. मीठे के बाजार में सप्ताह के दौरान गुड़ के औसत भाव आठ रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गये. वहीं, चीनी 16 रुपये प्रति क्विंटल गिर गई.

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

सलमान के साथ काम करने के लिए उतावली थीं प्रियंका चोपड़ा, भारत में कास्टिंग के लिए बहन अर्पिता को किए थे हजार कॉल्स

इन दिनों सलमान खान का एक पुराना इंटरव्यू चर्चा में है, जिसमें उन्होंने ये दावा किया था कि प्रियंका चोपड़ा ने फिल्म भारत में काम करने के लिए उनकी बहन के पास हजार कॉल्स किए थे। हालांकि कास्टिंग होने के बाद उन्होंने शूटिंग शुरू होने के बाद फिल्म छोड़ दी थी। सलमान खान ने एक इंटरव्यू में प्रियंका के फिल्म छोड़ने के फैसले पर कहा था, उनके लिए ये फैसला लेना काफी मुश्किल रहा होगा, क्योंकि वो वाकई इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहती थीं। उन्होंने अर्पिता (सलमान की बहन) को हजार बार कॉल कर कहा था कि मैं सलमान के साथ काम करना चाहती हूं। इतना ही नहीं उन्होंने डायरेक्टर अली अब्बास जफर को कॉल करके भी कहा था कि देख लीजिए अगर फिल्म में कोई रोल हो सके तो। उसी इंटरव्यू में सलमान ने ये भी कहा था कि प्रियंका चोपड़ा ने निक जोनस से होने वाली सगाई के चलते भारत छोड़ी थी। ये बात उन्होंने खुद सलमान से कही थी। इस पर सलमान ने उनसे कहा था कि अगर सगाई है तो भी फिल्म कर सकती हो, लेकिन बाद में प्रियंका ने कहा कि उन्हें शादी भी करनी है। फिल्म लवयात्री के प्रमोशनल इवेंट में सलमान ने बताया था कि फिल्म भारत की शूटिंग शुरू हो चुकी थी। प्रियंका ने अपना शेड्यूल शुरू होने के महज 10 दिनों पहले फिल्म छोड़ने की खबर दी थी। उनके जाने के बाद कटरीना कैफ को अप्रोच किया गया था। उस समय कटरीना, आमिर खान के साथ ठग्स ऑफ हिंदोस्तान और शाहरुख खान के साथ जीरो में काम कर रही थीं, ऐसे में उनके लिए डेट्स निकाल पाना काफी मुश्किल था। इसके बावजूद कटरीना फिल्म करने के लिए राजी हो गई थीं।

•शाहरुख को बताया नाइट पर्सन

गौरी खान बोलीं- हमारे घर में आधी रात तक सब जागते हैं...

शाहरुख खान की वाइफ गौरी खान फिल्म प्रोड्यूसर होने के साथ-साथ इंटीरियर डिजाइनर भी हैं। हाल ही में उन्होंने रेस्टोरेंट बिजनेस में भी कदम रखा है। एक इंटरव्यू में गौरी ने अपने डेली रुटीन पर बात की। उन्होंने कहा कि वो सिंपल लाइफ जीती हैं पर सुबह जल्दी उठने वाले लोगों में से नहीं हैं। गौरी ने यह भी कहा कि लाइफ में उनके बच्चे ही उनकी प्रायोरिटी हैं। इससे पहले गौरी ने अपनी बुक माय लाइफ इन डिजाइन में भी पर्सनल लाइफ को लेकर कई खुलासे किए हैं। इससे पहले गौरी ने अपनी बुक माय लाइफ इन डिजाइन में भी पर्सनल लाइफ को लेकर कई खुलासे किए हैं। कर्ली टेल्स को दिए एक इंटरव्यू में गौरी ने कहा, 'मैं जल्दी उठने वाले लोगों में से नहीं हूं। चूंकि हमारे घर में काफी रात तक सभी जागते रहते हैं तो मैं सुबह 10 बजे तक उठती हूं। मॉर्निंग कॉफी लेने के बाद मैं जिम जाती हूं, लंच करती हूं और अपने काम करती हूं। बच्चे मेरी प्रायोरिटी हैं तो अबराम 3 बजे तक घर आ जाते हैं और लंच करते हैं।

•वीडियो देख भड़क गए यूजर्स

वरुण की फिल्म से लीक हुआ 'चुनरी चुनरी' का रीमेक

वरुण धवन की आने वाली फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में उनके साथ पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर नजर आएंगी। इन दिनों सोशल मीडिया पर इस फिल्म से जुड़े कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। इसी बीच एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें वरुण, पूजा और मृणाल फिल्म बीवी नंबर 1 के मशहूर गाने चुनरी चुनरी पर डांस करते नजर आ रहे हैं। हालांकि, इस वीडियो को देखने के बाद कई यूजर्स भड़क गए। उनका कहना है कि 90 के दशक के क्लासिक गानों को रीक्रिएट कर उन्हें बर्बाद किया जा रहा है। चुनरी-चुनरी रीमेक सॉन्ग का जो क्लिप लीक हुआ है। इसमें वरुण, मृणाल और पूजा डांस करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में वरुण धवन प्रिंटेड शर्ट और रेड पैंट में दिखाई दे रहे हैं, तो वहीं मृणाल गोल्डन-ब्लैक ड्रेस में काफी स्टाइलिश लग रही हैं। पूजा हेगड़े भी गोल्डन आउटफिट में नजर आईं।

राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और नशा मुक्ति का संदेश

बाड़मेर। बीएसएफ के 61वें स्थापना दिवस पर जम्मू से भुज तक निकली बाइक रैली बाड़मेर पहुंची। 60 बाइकों पर सवार पुरुष व महिला जवान 1727 किलोमीटर की यात्रा कर रहे हैं। रैली राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और नशा मुक्ति का संदेश दे रही है। जम्मू में डीजी बीएसएफ दलजीत सिंह चौधरी की ओर से हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई यह रैली कल भुज में संपन्न होगी।

न्यूज विंडो

यूपी में सुबह-सुबह एनकाउंटर एक घायल और पांच गिरफ्तार

आगरा। एकता क्षेत्र में बीती एक नवंबर को हुए ट्रांसफार्मर चोरी मामले का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने पांच चोरों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। एसीपी पीयूष कांत राय ने बताया कि आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए थाना एकता पुलिस, सर्विलांस और एसओजी नगर जोन की संयुक्त टीमों का गठन किया गया था।सुबह तड़के पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी में शामिल आरोपित रमाडा कट के पास ऑटो में दिखाई दिए हैं। पुलिस द्वारा संदिग्ध ऑटो को रोकने का प्रयास किया गया तो उसमें सवार आरोपितों ने भागने की कोशिश की और तमंचे से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी धर्मवीर के पैर में गोली लग गई, जिसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। वहीं मौके से उसके चार अन्य साथी भी हिरासत में लिए गए हैं। गिरफ्तार आरोपितों के कब्जे से दो तमंचे, दो जिंदा कारतूस, .315 बोर, घटना में प्रयुक्त ऑटो और चोरी किए गए ट्रांसफार्मर के एल्युमीनियम व कॉपर तार बरामद हुए हैं। पुलिस ने बताया कि सभी अभियुक्तों के खिलाफ कई गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई जारी है।

सिंगर ह्यूमन सागर की मौत मां ने मैनेजर पर लगाए आरोप

नई दिल्ली। ओडिया संगीत की दुनिया के मशहूर सिंगर ह्यूमन सागर का 34 साल की कम उम्र में निधन हो गया। उनके सुर

जिन्होंने लाखों दिलों को छुआ, अब हमेशा के लिए खामोश हो गए हैं। सोशल मीडिया पर उनके फैंस और संगीत प्रेमी श्रद्धांजलि दे रहे हैं और उनके यादगार पल साझा कर रहे हैं।डॉक्टरों के अनुसार ह्यूमन सागर का निधन मल्टी-ऑर्गन डिसफंक्शन सिंड्रोम के कारण हुआ। 14 नवंबर को उन्हें गंभीर हालत में भुवनेश्वर लाया गया था। मेडिकल जांच में सामने आया कि उनके कई महत्वपूर्ण अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। उनके इलाज के बावजूद देर रात उन्होंने अंतिम सांस ली।ह्यूमन सागर की मां, शेफाली, ने उनके मैनेजर और इवेंट आयोजकों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी तबीयत खराब होने के बावजूद उन्हें स्टेज पर प्रदर्शन करने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने बताया कि यह उनकी सेहत के लिए बेहद जोखिम भरा था।

मंत्री का बयान-पंजाबियों को 3 बच्चे पैदा करने की जरूरत

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवा ने राज्य में घट रही आबादी को लेकर बड़ा बयान दिया है। मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि पंजाबियों को एक से ज़्यादा बच्चे पैदा करने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि आजकल लोगों में सिर्फ़ एक बच्चा पैदा करने की सोच बन गई है, जिसे बदलना बहुत ज़रूरी है।संधवा ने कहा कि जैसे पंजाब को हरा-भरा रखने के लिए पेड़ों की ज़रूरत होती है, उसी तरह पंजाब के विकास और भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए बच्चों की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि पंजाब में हर परिवार में कम से कम 2 से 3 बच्चे होने चाहिए। स्पीकर ने आगे कहा कि आज की नौजवान पीढ़ी विदेश जाने की चाहत में पंजाब छोड़ रही है। कई बच्चे विदेश बस जाते हैं और उनके माता-पिता यहाँ अकेले रह जाते हैं। बुजुर्गों की देखभाल करने वाला कोई नहीं होता। उन्होंने कहा कि चाहे किसी के पास कितनी भी संपत्ति क्यों न हो, लेकिन अगर बुजुर्ग अवस्था में बच्चे साथ न हों तो उसका कोई फ़ायदा नहीं।संधवा ने बताया कि पंजाब में अब ज्यादातर घरों में सिर्फ एक ही बच्चा होता है, जबकि पहले एक परिवार में 4-5, यहाँ तक कि 6-7 बच्चे तक होते थे।

बर्फीली हवाओं से ठिठुर रहा देश ओस बर्फ बनी, झील-झरने जमे

नई दिल्ली, एजेंसी

पहाड़ी इलाकों से आ रही बर्फीली हवाओं से उत्तर भारत ठिठुर रहा है। दिल्ली, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत कई राज्यों में तापमान तेजी से लुढ़क रहा है। उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम में पारा माइनस 8 डिग्री चला गया है, जिससे वहां झरने और झीलें जम गई हैं।

राजस्थान में साल 2021 के बाद पहली बार नवंबर में टेम्परेचर 5 डिग्री से नीचे आ गया है। पिछले 24 घंटे के दौरान फतेहपुर में सबसे कम तापमान 4.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। राज्य के 15 शहरों में तापमान 5 से 10 डिग्री के बीच दर्ज किया गया। माउंट आबू में 15 साल में पहली बार नवंबर में ही पारा शून्य पर पहुंच गया है। इससे ओस की बूंदें जम गई। पिछले साल माउंट आबू में पिछले साल ओस की बूंदें 10 दिसंबर 2024 को बर्फ बनी थीं।

सोमवार को राजस्थान में कोल्ड-वेव के असर से तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। वहीं, दिन में भी सर्दी बढ़ने से सोमवार को राजस्थान के बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर, फलोदी को छोड़कर शेष सभी जिलों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। मौसम विभाग ने 18 नवंबर को भी 5 जिलों में शीतलहर का यलो अलर्ट जारी किया गया है। राज्य में अगले 5 दिन मौसम शुष्क रहने और सर्दी से राहत नहीं मिलने की संभावना जताई है।

हरियाणा में आज रात से कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में बदलाव हो सकता है। आज रात से बादल छाने का अनुमान है इससे रात के तापमान में बढ़ोतरी लेकिन दिन के तापमान में हल्की गिरावट देखने को मिल सकती है। हरियाणा में दिन का तापमान सामान्य के आसपास बना हुआ है लेकिन रात के तापमान में 4.7 डिग्री तक की गिरावट देखने को मिल रही है। खासकर राजस्थान से सटे

पंजाब में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री तक पहुंच गया है। इस साल सर्दियों की शुरुआत के बाद ये अभी तक का सबसे न्यूनतम तापमान है, आने वाले दो सप्ताह में ये तापमान और गिरेगा। हालांकि बीते 24 घंटों में राज्य के औसत तापमान में हल्की बढ़ोतरी हुई है, यह सामान्य के करीब है। आने वाले 72 घंटों में अच्छी धूप खिलेगी और मौसम साफ रहेगा। इसके चलते राज्य के तापमान में बड़ा बदलाव नहीं होगा।

हिमाचल प्रदेश में शिमला इकलौता जिला है जहां न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से अधिक है। अन्य सभी 11 जिलों में रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर चुका है। इससे अधिक ऊंचे क्षेत्रों के साथ-साथ मैदानी इलाकों में भी ठंड बढ़ती जा रही है।

उत्तराखंड के सभी जिलों में ठंडी हवाएं चल रही हैं, जिससे तापमान तेजी से गिर रहा है। तो वहीं पहाड़ी इलाकों में बादल छाए रहेंगे, जिससे ठंड बढ़ेगी। बद्रीनाथ धाम में पारा माइनस 8 डिग्री चला गया है, जिससे वहां ऋषिगंगा झरना और शेषनेत्र झीलें जम गई हैं। बर्फीली हवाओं के कारण शेषनेत्र झील, ऋषिगंगा के झरने और यहां बहने वाली नदियां जमने लगी हैं। स्थानीय निवासियों और श्रद्धालुओं को बहुत अधिक ठंड का सामना करना पड़ रहा है।

उप्र सरकार का बड़ा फैसला

हार्ट अटैक से बचाव का इंजेक्शन फ्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में हार्ट अटैक से होने वाली मौतों को रोकने के लिए राज्य सरकार ने एक ऐतिहासिक और लोगों की जान बचाने वाला कदम उठाया है। अब प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल और प्रमुख सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में 'टेनेक्टेप्लाज' और 'स्ट्रेप्टोकाइनेज' इंजेक्शन निशुल्क उपलब्ध होंगे। यह इंजेक्शन बाजार में 40-50 हजार रुपये तक बिकता है, लेकिन अब आम जनता इसे पूरी तरह मुफ्त पा सकेगी।

किशोरी को बदमाशों ने घर में घुसकर उठाया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में एक भयावह घटना सामने आई। जहां कुछ नकाबपोश आरोपियों ने एक घर में घुसकर वहां सो रही लड़की का अपहरण कर लिया। आरोपियों ने उसे जबरन कपड़े से बांधकर सुनसान रास्ते पर ले जाकर अत्याचार किया और नशीला पदार्थ पिला दिया।पीड़िता की मां ने बताया कि रात के समय जब पूरा घर सो रहा था, तभी कुछ नकाबपोश युवक घर में घुस आए। उन्होंने सोती हुई लड़की का मुंह दबाकर उसे बांधा और घर से बाहर ले गए। आरोपियों ने लड़की को सुनसान जगह पर ले जाकर बेल्ट से मारपीट की और उसके साथ अन्य शारीरिक अत्याचार किए।पीड़िता की बहन की तलाश में निकले उसके भाई को भी आरोपियों ने पीछा करने से रोक दिया।

अमेरिकी राष्ट्रपति के गाजा प्लान को संयुक्त राष्ट्र से मिली हरी झंडी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने गाजा युद्ध खत्म करने की योजना बनाई है। पहले फेज के तहत इजरायल और हमास ने बंदियों को रिहा कर दिया है। वहीं, बीते दिन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ट्रंप के गाजा प्लान पर वोटिंग हुई है। इस प्रस्ताव में गाजा युद्ध खत्म करने के साथ-साथ फिलीस्तीन में अंतरराष्ट्रीय फोर्स को तैनात करने जैसे प्रावधान शामिल थे।

ट्रंप के 20 पॉइंट पीस प्लान का पहला फेज कामयाब रहा है। इजरायल और हमास दोनों ने सीजफायर के लिए सहमति दर्ज करते हुए बंदियों को रिहा कर दिया है। वहीं, अब इस प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र की भी मुहर लग चुकी है।

संयुक्त राष्ट्र में पेश संकल्प पत्र के अनुसार, यूएन के सभी सदस्य देश ट्रंप की अध्यक्षता वाले इस प्रस्ताव में हिस्सा ले सकते हैं। इसके अलावा एक अंतरराष्ट्रीय फोर्स बनाई जाएगी, जो गाजा में शांति बहाल करने और सैन्य गतिविधियों को कम करने में मदद करेगी। यह फोर्स गाजा में हथियारों और सैन्य ढांचों को पूरी तरह से नष्ट कर देगी।हालांकि, हमास इसके सख्त खिलाफ है। हमास ने बयान जारी करते हुए कहा कि वो हथियार नहीं डालेंगे।

सऊदी में ही दफनाए जाएंगे 45 भारतीयों के शव

मुआवजा भी मुश्किल, बस-टैंकर भिड़ंत में हुई थी मौत, उमराह के लिए गए थे

रियाद, एजेंसी

सऊदी अरब के मक्का-मदीना हाईवे पर रविवार देर रात हुए बस हादसे में जान गंवाने वाले 45 भारतीय नागरिकों के शव वापस नहीं लाए जाएंगे। ये सभी उमरा (इस्लामी तीर्थयात्रा) के लिए सऊदी गए थे।

तेलंगाना मंत्रिमंडल ने कल फैसला लिया है कि मारे गए लोगों को उनके धार्मिक रीति-रिवाजों के मुताबिक सऊदी अरब में ही दफनाया जाएगा। हर पीड़ित परिवार से दो लोग अंतिम संस्कार में शामिल होने सऊदी अरब भेजे जाएंगे।

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, परिजन को शव भारत

वापस लाने या मदीना के जन्नतुल बकी में दफनाने का ऑप्शन दिया जाएगा। हालांकि सऊदी कानून के मुताबिक शवों की वापसी काफी मुश्किल है।

वहीं, पीड़ित परिवारों को तुरंत मुआवजा मिलाना भी काफी मुश्किल है, क्योंकि सऊदी अरब में सड़क दुर्घटनाओं में सरकार की ओर से कोई सीधा मुआवजा नहीं दिया जाता।

मुआवजा तभी मिल सकता है जब पुलिस जांच में टैंकर ड्राइवर या कंपनी की गलती साबित हो और परिवार कानूनी दावा दायर करे। यह प्रक्रिया कई महीनों तक चल सकती है।

सऊदी हज और उमरा मंत्रालय के मुताबिक, यात्रा शुरू करने से पहले तीर्थयात्रियों को एक डिक्लेरेशन फॉर्म पर साइन कराने पड़ते हैं। इसमें क्लियर लिखा होता है कि अगर सऊदी अरब की जमीन पर (मक्का, मदीना या कहीं भी) तीर्थ यात्री की मौत होती है, तो शव को वहीं दफनाया जाएगा।

मेट्रो एंकर 'मानवता के विरुद्ध अपराधों' के आरोप में हसीना को मौत की सजा पर सियासत गर्म

शेख हसीना के पास दो ही विकल्प, भारत पर भी बड़ा दारोमदार

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को वहां के 'अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण' ने पिछले साल जुलाई में हुए व्यापक छात्र आंदोलन के दौरान 'मानवता के विरुद्ध अपराधों' के आरोप में मौत की सजा सुनायी है। यह अब तक की सबसे कठोर सजा है। न्यायाधिकरण ने यह फैसला कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुनाया। उसने पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को भी मृत्युदंड की सजा सुनायी है और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून को पाँच वर्ष की सजा मुकर्रर की है। मामून अपना अपराध स्वीकार करके सरकारी गवाह बन गये थे। न्यायाधिकरण ने हसीना और असदुज्जमां की संपत्तियों को जब्त करने का भी आदेश दिया है।

हसीना पर न्यायाधिकरण में यह मुकदमा उनकी गैर मौजूदगी में चलाया गया। वह इन दिनों भारत में रह रही हैं जबकि असदुज्जमां के बारे में कोई जानकारी नहीं हैं और मामून हिरासत में हैं। इस बीच, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शेख हसीना और पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान कमाल को तुरंत प्रत्यर्पित करने का भारत से अनुरोध किया है। बांग्लादेश की प्रत्यर्पण मांग पर भारत ने चुप्पी साध ली है। इसके बाद सवाल उठ रहे हैं कि आगे क्या होगा और शेख हसीना के पास खुद को और अपनी पार्टी को बचाने के क्या विकल्प बचे हैं?

जानकारों का मानना है कि शेख हसीना के पास अब दो विकल्प बचे हैं। पहला यह कि वह इस सजा के खिलाफ तकनीकी तौर पर वह बांग्लादेश की सुप्रीम कोर्ट में अपील करें लेकिन इसमें कई अड़चनें और शर्ते हैं। पहली यह कि ढ्ढष्टञ्ज की धारा 21 के तहत उन्हें इस सजा की तारीख से 30 दिनों के अंदर अपील करना होगा लेकिन इसके लिए पहले उन्हें वहां की अदालत में सरेंडर करना होगा। तभी सुप्रीम कोर्ट की अपीलेट डिवीजन में इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल के फैसले के खिलाफ अपील दाखिल की जा सकती है।अपील दायर होने के बाद सुप्रीम कोर्ट को 60 दिनों के अंदर उस पर फैसला सुनाना होगा। शेख हसीना अगर यह विकल्प चुनती हैं तो उनके पास अपील दायर करने की आखिरी तारीख 17 दिसंबर 2025 होगी। अगर वह सरेंडर नहीं करती हैं तो ढ्ढष्टञ्ज की सजा के खिलाफ अपील का अधिकार स्वतः समाप्त हो जाएगा और उन्हें दी गई मौत की सजा अंतिम हो जाएगी।

फिलहाल मामले पर भारत की चुप्पी

शेख हसीना के पास दूसरा विकल्प है इस फैसले को न मानना और देश वापस नहीं लौटना। हालांकि, इसके लिए सारा दारोमदार भारत पर निर्भर करता है कि क्या हसीना को अनंत काल तक या कितने समय तक निर्वासित जीवन जीने के लिए अपने यहां रहने दिया जा सकता है। फिलहाल भारत ने उनके प्रत्यर्पण पर चुप्पी साध रखी है। इससे पहले भी ढाका ने नई दिल्ली से प्रत्यर्पण की गुजारिश की थी लेकिन भारत ने कोई जवाब नहीं दिया था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564